■ भाद्रपद कृष्णा - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 30 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 22-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट करें : भाजपा
6 सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत
7 श्रद्धा कपूर ने बताया क्यों नहीं किया सलमान, शाहरुख और आमिर के साथ काम

फर्स्ट टेक

अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई और इस साल रिकॉर्ड संख्या में 5.12 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। दक्षिण कश्मीर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए तीर्थयात्रा 29 जून को शुरू हुई और 19 अगस्त को संपन्न हो गई। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''श्री अमरनाथ जी की यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 52 दिनों तक चली इस यात्रा में इस बार रिकॉर्ड 5.12 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने बाबा के दर्शन किये, जो कि बीते 12 वर्षों की सर्वाधिक संख्या है।'' गृह मंत्री ने कहा, ''इस यात्रा को सफल बनाने के लिए हमारे सभी सुरक्षा कर्मियों, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाओं को बधाई देता हूं।

केरल में निपाह का प्रकोप नियंत्रित किया गया, प्रतिबंध हटाए गए

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को कहा कि मलप्पुरम जिले में निपाह वायरस संक्रमण के प्रकोप पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया है। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि जिस क्षेत्र में निपाह के प्रकोप की सूचना मिली थी, वहां लगाए गए प्रतिबंध 42-दिन की दोहरी 'इन्क्यूबेशन' अवधि पूरी होने के बाद पूरी तरह से हटा दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के अनुसार, निगरानी में रखे गए सभी 472 लोग ठीक हैं और उन्हें संपर्क सूची से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर नजर रखने के लिए स्थापित विशेष नियंत्रण इकाई को भंग कर दिया गया है।

लाल सागर में व्यापारिक जहाज पर सिलसिलेवार हमला, आग लगी

दुबई/एपी। लाल सागर से गुजर रहे एक व्यापारिक जहाज पर बुधवार को कई हमले किये गए, जिसके चलते उस पर अब नियंत्रण नहीं रह गया है। ब्रिटिश सेना ने यह जानकारी दी। ब्रिटिश सेना ने आशंका जताई है कि इस हमले को यमन के हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है जो पहले भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना चुके हैं। सेना के मुताबिक, हमले की विस्तृत जानकारी प्राप्त नहीं हुई है लेकिन यह ऐसे समय किया गया है जब गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध के बीच, हूती विद्रोही जहाजों पर निशाना साधकर हमले कर रहे हैं। ब्रिटिश सेना से संबद्ध ब्रिटिश समुद्री व्यापार संचालन केंद्र (यूकेएमटीओ) ने बताया कि छोटी-छोटी नौकाओं से आए

सूर्यास्त 22-08-2024 6:25 बजे	सूर्योदय 23-08-2024 5:57 बजे
BSE 80,905.30 (+102.44)	NSE 24,770.20 (+71.35)
सोना 7,382 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 89,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौन दलित

है संविधान में सब समान
फिर कौन दलित कैसे बोलो।
इतिहासों के पन्नों को पढ़,
ना वर्तमान में विष घोलो।
समरसता के सद्भावों को,
ना राजनीति से अब तोलो।
आने दो खुली हवाओं को,
इन बंद खिड़कियों को खोलो।।

वारसॉ पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा

पोलैंड यात्रा से द्विपक्षीय मित्रता को गति मिलेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वारसॉ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पोलैंड की उनकी पहली यात्रा द्विपक्षीय मित्रता को गति प्रदान करेगी तथा दोनों देशों के लोगों को लाभान्वित करेगी। वह दो देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे हैं और यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे।

पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी राष्ट्रपति आंद्रजेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मोदी ने कहा कि वह पोलैंड की राजधानी में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर उत्सुक हैं।

यहां वारसॉ सैन्य हवाईअड्डे पर अपने आगमन के बाद मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पोलैंड पहुंच गया हूं। यहां विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर उत्सुक हूं। यह यात्रा भारत-पोलैंड मैत्री को गति प्रदान करेगी तथा दोनों राष्ट्रों के लोगों को लाभान्वित करेगी।

पोलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी का होटल पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया, जहां पोलिश और भारतीय कलाकारों ने गुजराती पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा पिछले 45 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है।

पोलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने प्रधानमंत्री मोदी का होटल पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया, जहां पोलिश और भारतीय कलाकारों ने गुजराती पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया।

मोदी ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, पोलैंड में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं अभिभूत हूं! उनकी ऊर्जा हमारे देशों को बांधने वाले मजबूत संबंधों का प्रतीक है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। उन्होंने कहा, यह यात्रा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि भारत और पोलैंड इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

आरक्षण पर न्यायालय के फैसले के खिलाफ 'भारत बंद' : बिहार, झारखंड सबसे अधिक प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **देश भर में 21 संगठनों ने शीर्ष अदालत के आदेश के खिलाफ 'भारत बंद' का आह्वान किया था। उनका कहना है कि इससे आरक्षण के मूल सिद्धांतों को नुकसान पहुंचेगा।**

नई दिल्ली/पटना/भाषा। उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण के संबंध में दिए गए फैसले के खिलाफ कुछ दलित और आदिवासी समूहों द्वारा आहूत एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल से बिहार और झारखंड के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के आदिवासी इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा।

पुलिस ने रेल और सड़क बाधित कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पटना, दरभंगा और बेगूसराय सहित बिहार के कई जिलों में लाठीचार्ज किया और पानी की बौछारें छोड़ी, जबकि झारखंड और ओडिशा में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं आंशिक रूप से प्रभावित हुईं।

देश के अन्य भागों में इसका प्रभाव मिलाजुला रहा। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल कई दलों के साथ-साथ अन्य गैर-भाजपा संगठनों ने भी बंद को अपना समर्थन दिया था।

कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई ने कहा कि सरकार को प्रदर्शनकारियों की 'वैध मांगों' पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए। हालांकि, भाजपा के प्रमुख आदिवासी नेता फग्गन सिंह कुलस्ते ने विपक्ष पर इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

देश भर में 21 संगठनों ने शीर्ष अदालत के आदेश के खिलाफ 'भारत बंद' का आह्वान किया था। उनका कहना है कि इससे आरक्षण के मूल सिद्धांतों को नुकसान पहुंचेगा।

प्रदर्शनकारियों ने बिहार के कई जिलों में रेल और सड़क यातायात बाधित किया और पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठियों और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। दरभंगा और बक्सर में रेल सेवाएं बाधित रहीं, जबकि पटना, हाजीपुर, दरभंगा, जहानाबाद और बेगूसराय जिलों में सड़क यातायात बाधित रहा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य सहयोगियों ने बंद को अपना समर्थन दिया।

असम में मुस्लिम विवाह, तलाक पंजीकरण विधेयक पेश किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार मुस्लिम लोगों के विवाह और तलाक के अनिवार्य सरकारी पंजीकरण के लिए विधानसभा के आगामी सत्र में एक विधेयक पेश करेगी। शर्मा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार आगामी सत्र के दौरान असम मुस्लिम विवाह अनिवार्य

पंजीकरण और तलाक विधेयक, 2024 पेश करेगी। यह सत्र बृहस्पतिवार से शुरू हो रहा। उन्होंने कहा, ''इससे पहले मुस्लिम निकाह काजियों द्वारा पंजीकृत किए जाते थे। लेकिन, इस नये विधेयक से यह सुनिश्चित होगा कि समुदाय में होने वाले सभी विवाह सरकार के समक्ष पंजीकृत होंगे।''

शर्मा ने यह भी दावा किया कि पहले काजियों द्वारा नाबालिगों की शादियों का भी पंजीकरण किया जाता था, लेकिन प्रस्तावित विधेयक ऐसे किसी भी कदम पर रोक लगाएगा। उन्होंने मंत्रिमंडल के फैसलों का हवाला देते हुए कहा, ''अब नाबालिगों की शादी का पंजीकरण बिल्कुल नहीं होगा। हम बाल विवाह की कुप्रथा को खत्म करना चाहते हैं। इसलिए, विवाहों का पंजीकरण उप-पंजीयक कार्यालय में किया जाएगा।''

गोयल ने अमेजन के कारोबारी तरीकों, निवेश घोषणा पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की भारत में एक अरब डॉलर के निवेश की घोषणा पर बुधवार को सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी कंपनी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कोई बड़ी सेवा नहीं कर रही है, बल्कि देश में हुए नुकसान की भरपाई कर रही है। उन्होंने कहा

कि भारत में अमेजन को हुआ भारी घाटा असल में बाजार बिगाड़ने वाली बेहद कम कीमतों पर उत्पादों की बिक्री के तौर-तरीकों को बयां करता है लेकिन यह भारत के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि इसका असर करोड़ों छोटे खुदरा विक्रेताओं पर पड़ता है।

गोयल ने यहां 'भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स के शुद्ध प्रभाव' पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए ई-कॉमर्स कंपनियों के कारोबारी मॉडल को लेकर कई सवाल खड़े किए।

वायु सेना के विमान ने पोखरण के पास अनजाने में गिराया 'एयर स्टोर', जांच के आदेश

जयपुर/भाषा। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में बुधवार को भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान से कोई वस्तु अनजाने में जमीन पर गिर गयी, हालांकि इसके कारण कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने बुधवार को कहा कि उसके लड़ाकू विमानों में से एक ने तकनीकी खराबी के कारण राजस्थान में पोखरण फायरिंग रेंज के पास अनजाने में एयर स्टोर गिरा दिया। इस घटना में जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ है और घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आईएएफ ने 'एक्स' पर कहा, आज तकनीकी खराबी के कारण पोखरण फायरिंग रेंज क्षेत्र के पास भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लड़ाकू विमान से एयर स्टोर अनजाने में गिर गया। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना एक सुनसान इलाके में हुई। आईएएफ ने कहा, इस घटना की जांच के लिए वायुसेना द्वारा जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इसमें जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ है। विमान से गिरा 'एयर स्टोर' किस प्रकार का है, इसका तुरंत पता नहीं चल पाया है। सैन्य भाषा में, विमान या उसके किसी हिस्से से जुड़ी किसी भी चीज को 'एयर स्टोर' कहा जाता है।

आर.जी. कर अस्पताल की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ के 150 जवान तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के लगभग 150 कर्मियों को तैनात किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उच्चतम न्यायालय के आदेश के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कोलकाता के सरकारी अस्पताल में सीआईएसएफ की तैनाती के वास्ते पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को पत्र लिखा था। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद सीआईएसएफ की तैनाती का निर्णय लिया गया। इससे पहले दिन में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में सीआईएसएफ की एक टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां कुछ दिन पहले 31 वर्षीय एक चिकित्सक की कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

सूत्रों ने बताया कि यह बल रेजिडेंट डॉक्टर के छात्रावास की भी सुरक्षा करेगा।

महिला चिकित्सक का शव नौ अगस्त की सुबह अस्पताल के सभागार में मिला था। अस्पताल परिसर में अक्सर आने-जाने वाले एक बाहरी व्यक्ति को इस मामले में 10 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। इस घटना के बाद से पूरे देश में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुई हैं और सैकड़ों चिकित्सक विभिन्न संगठनों के बैनर तले हड़ताल पर हैं और चिकित्सकों की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

कोलकाता की सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन जारी

आरजी कर के पूर्व प्राचार्य से सीबीआई की पूछताछ

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चिकित्सक के साथ कथित दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना के खिलाफ जारी जूनियर डॉक्टर के आंदोलन के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को शहर और उसके बाहर सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, इसके चलते पश्चिम बंगाल में जन स्वास्थ्य सेवा बुरी तरह प्रभावित रही।

हालांकि मामले में कोई नई गिरफ्तारी नहीं हुई, लेकिन केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर अस्पताल के शीर्ष अधिकारियों से पूछताछ जारी रखी। इस बीच, अस्पताल के एक पूर्व प्रशासक ने उच्च न्यायालय का रुख किया और अस्पताल के पूर्व प्राचार्य के खिलाफ कथित वित्तीय अनियमितताओं की प्रवर्तन निदेशालय से जांच कराने का अनुरोध किया।

हमें गुमराह करने की कोशिश करने वाले लोगों से सावधान रहें : वी पी धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि भारत ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहा है जब कुछ जानकार लोग जानबूझकर हमें गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, यह जानते हुए कि वे सही मार्ग पर नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के सामने चुनौतियां हैं और वह उनका सामना करेगा, लेकिन देश के भीतर के बुद्धिजीवियों से आने वाली चुनौतियां अस्वीकार्य हैं।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनखड़ ने पिछले महीने लागू हुए तीन नए आपराधिक न्याय कानूनों का उल्लेख किया और इस बात पर अफसोस जताया कि कई प्रतिष्ठित वरिष्ठ अधिवक्ता जो राज्यसभा के सदस्य भी हैं, वे इस पर हुई चर्चा में शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा, उन्हें चर्चा में भाग लेना चाहिए था, उन्हें योगदान देना चाहिए था। उन्होंने विधेयकों के खिलाफ बोलने वाले कुछ विपक्षी नेताओं की ओर इशारा करते हुए कहा, मैं इन अग्रणी लोगों का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन मुझे इस बात से बहुत दुख होता है कि ये सज्जन सार्वजनिक रूप से इस तरह शोर मचा रहे हैं जैसे कि राज्यसभा में कुछ हुआ ही नहीं।

धनखड़ ने कहा कि उनमें से एक पूर्व वित्त मंत्री और नियमित स्तंभकार (पी चिदंबरम का स्पष्ट संदर्भ) ने कहा कि उन्होंने गृह मामलों की स्थायी समिति के समक्ष आपत्तियां दी हैं, लेकिन ये आपत्तियां तीन पृष्ठों से भी कम थीं।

उपराष्ट्रपति ने चुटकी लेते हुए कहा, मुख्य आपत्ति यह थी कि मौत की सजा नहीं होनी चाहिए। क्या यह आतंकवादियों, बलात्कारियों और देश के दुश्मनों को बचाने का प्रयास है?

करदाताओं को आसान भाषा में नोटिस भेजें, शक्ति का विवेकपूर्ण इस्तेमाल हो : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कर अधिकारियों से कहा कि वे करदाताओं को भेजे जाने वाले नोटिस या पत्रों में सरल शब्दों का इस्तेमाल करें और कानून की तरफ से दी गई शक्तियों का विवेकपूर्ण ढंग से उपयोग करें।

सीतारमण ने 165वें आयकर दिवस पर यहां आयोजित एक समारोह में कहा कि चेहरा-रहित आकलन व्यवस्था लागू होने के बाद कर अधिकारियों को अब करदाताओं के साथ अधिक 'निष्पक्ष और मैत्रीपूर्ण' व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि

कर नोटिस से करदाताओं के मन में 'डर की भावना' नहीं पैदा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कर नोटिस सरल और साफ होना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि नोटिस में करदाता को यह एकदम स्पष्ट कर देना चाहिए कि उसे किस कारण से नोटिस भेजा जा रहा है।

इसके साथ ही सीतारमण ने कहा कि आयकर रिफंड तेजी से जारी करने में सुधार की गुंजाइश है।

वित्त मंत्री ने करदाताओं के साथ व्यवहार में 'अनियमित तरीके' अपनाने से बचने का कर अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि उनकी कार्रवाई मुद्दे के अनुपात में ही होनी चाहिए। उन्होंने करदाताओं से यह भी कहा कि वे प्रवर्तन उपायों का उपयोग केवल अंतिम माध्यम के रूप में करें और विभाग का लक्ष्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने का होना चाहिए।

आरबीआई गवर्नर की शीर्ष वैश्विक रैंकिंग उनके नेतृत्व को मान्यता देती है : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को केंद्रीय बैंकरों की वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष रेटिंग मिलने पर बधाई दी और इसे उनके नेतृत्व को मान्यता बताया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को इस उपलब्धि के लिए बधाई, और वह भी दूसरी बार। यह आरबीआई में उनके नेतृत्व और आर्थिक विकास तथा स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में उनके काम को मान्यता है। अमेरिका स्थित 'ग्लोबल फाइनेंस' पत्रिका द्वारा दास को लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर के रूप में चुना गया है। दास को दो अन्य केंद्रीय बैंक गवर्नर के साथ सूची में सबसे ऊपर रखा गया है, जिन्हें 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। 'ग्लोबल फाइनेंस' पत्रिका के एक बयान के अनुसार, मुद्रास्फीति नियंत्रण, आर्थिक विकास लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के आधार पर 'ए' से 'एफ' तक ग्रेड दी जाती है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2047 तक 55,000 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीदः सुब्रमण्यन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन ने बुधवार को कहा कि डॉलर के संदर्भ में वृद्धि दर 12 प्रतिशत बनी रहने पर भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2047 तक 55,000 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। उन्होंने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम में कहा कि वर्ष 2016 से मुद्रास्फीति का एक लक्ष्य तय किए जाने से देश में महंगाई की दर को औसतन पांच प्रतिशत तक लाने में मदद मिली है।

वर्ष 2018 से 2021 तक मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके सुब्रमण्यन ने कहा कि 2016 से पहले मुद्रास्फीति की औसत दर 7.5 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि अगर वास्तविक वृद्धि दर आठ प्रतिशत रहने के साथ मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत रहती है तो बाजार मूल्य पर वृद्धि दर 13 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

सुब्रमण्यन ने कहा, दीर्घकाल में डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा की विनिमय दर में गिरावट एक प्रतिशत से भी कम रहने से अर्थव्यवस्था की बुनियादी बातों पर इसका असर दिखेगा।''

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि डॉलर के हिसाब से भारत की वास्तविक वृद्धि दर 12 प्रतिशत रहेगी। ऐसे में अर्थव्यवस्था का आकार हर छह साल में दोगुना हो जाएगा।

सुब्रमण्यन ने कहा, अर्थव्यवस्था का मौजूदा आकार 3,800 अरब डॉलर है। इसके वर्ष 2047 में 55,000 अरब डॉलर तक पहुंच जाने का अनुमान है।'' उन्होंने कहा कि भारत के लिए वास्तविक रूप से यानी आधार मूल्य पर आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि हासिल करना संभव है।

सुब्रमण्यन के मुताबिक, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में निवेश स्थिर अवस्था में पहुंच गया है। वहां उत्पादकता में सुधार ही वृद्धि का एकमात्र स्रोत होगा।

देश में आठ प्रतिशत की वृद्धि दर का दूसरा कारण अर्थव्यवस्था का अधिक संगठित होना है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधे से लेकर दो-तिहाई हिस्सा अभी भी असंगठित बना हुआ है।

सुब्रमण्यन ने कहा, अर्थव्यवस्था के अधिक संगठित होने से उत्पादकता में वृद्धि होगी। लेकिन अन्य देशों की तुलना में भारत के संगठित क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने की अभी भी गुंजाइश है।

कोलकाता मामले में न्याय की मांग को लेकर आप की महिला शाखा ने राजघाट पर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कोलकाता के एक अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और फिर उसकी हत्या किये जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) की महिला शाखा ने यहां महात्मा गांधी की समाधि राजघाट के बाहर बुधवार को प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं और उन्होंने नारे लगाते हुए अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

एक प्रदर्शनकारी ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, कोलकाता में जो कुछ भी हुआ वह बेहद दुखद है। हम यहां (मृत) डॉक्टर के परिजनों के लिए न्याय की मांग करने के वास्ते एकत्र हुए हैं। हम चाहते हैं कि इस जघन्य अपराध में शामिल आरोपी को फांसी की सजा दी जाए। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं और यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा, यह समस्या सदियों से रही है। अगर यही स्थिति रही तो हमारी बेटियां घर से बाहर कैसे निकलेंगी।

आप की महिला शाखा ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली की आप प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष सारिका चौधरी, विधायक प्रीति सिंह तोमर और धनवती चंदेला सहित कई महिला पार्षद और कार्यकर्ता भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सारिका चौधरी ने कहा, ''हम वाकई बहुत दुखी हैं कि ऐसे जघन्य अपराध हर दिन बढ़ रहे हैं। चाहे वो कोलकाता हो, उत्तराखंड हो, उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो या देश का कोई और हिस्सा हो। हर दिन हम बलात्कार की खबरें पढ़ते हैं। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ भी बलात्कार हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार को इस पर सख्त कानून बनाना चाहिए। बच्चों के साथ ऐसे जघन्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए और त्वरित अदालत में जल्द से जल्द इसका निपटारा होना चाहिए।''

तोमर ने केंद्र सरकार से चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने का आग्रह किया। प्रीति तोमर ने कहा, ''आज निर्भया कांड के 12 साल बाद फिर ऐसी ही वीभत्स घटना सामने आई है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार एक डॉक्टर शिकार बनी है, वो भी अस्पताल के अंदर।''

आप विधायक ने जोर देकर कहा कि सभी दलों को अपने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर एकजुट होना चाहिए और महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

एयर इंडिया ने उड़ान के दौरान बेतार मनोरंजन सेवा शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने चौड़े आकार के अपने मौजूदा विमानों में उड़ान के दौरान बेतार (वायरलेस) मनोरंजन सेवा उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। कई यात्री टाटा समूह के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन के कुछ विमानों में खराबी और उड़ान के दौरान मनोरंजन प्रणाली के काम न करने की शिकायत करते रहे हैं। यह एयरलाइन अपने पुराने बेड़े में सुधार करने और नए विमान शामिल करने की प्रक्रिया में है।

बयान के अनुसार, हाल ही में चौड़े आकार के अपने मौजूदा विमान बेड़े में उड़ान के दौरान शुरू की गई नई मनोरंजन सेवा 'विस्टा' को छोटे विमानों में भी उपलब्ध कराया जाएगा। यह हाल ही में शामिल किए गए बी777 और ए350 विमानों में उपलब्ध नहीं होगी। इसमें कहा गया है कि विस्टा को मौजूदा बड़े विमानों के बेड़े में शामिल किया गया है ताकि ग्राहकों को निर्बाध मनोरंजन प्रदान किया जा सके। एयर इंडिया के नए बड़े विमानों में नई मनोरंजन प्रणाली है। एयरलाइन के पास 140 विमानों का परिचालन बेड़ा है। विस्टा के साथ यात्री अपने निजी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर मनोरंजन सामग्री का आनंद ले सकते हैं। इसमें उड़ान 'ट्रैकिंग' के लिए लाइव मानचित्र डिस्प्ले भी होगा।

ट्राई की तरफ से नहीं की जाती है कोई कॉल, लोग सतर्क रहेंः दूरसंचार नियामक

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने बुधवार को लोगों को आगाह किया कि वे ट्राई के नाम पर की जा रहीं फर्जी कॉल के चंगुल में न फंसें। इन कॉल में दूरसंचार ग्राहकों को मोबाइल नंबर का कनेक्शन काटने की धमकी देकर कुछ निजी सूचनाएं देने के लिए कहा जाता है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने यह स्पष्ट किया कि वह संदेश भेजकर या किसी अन्य तरीके से मोबाइल नंबर का कनेक्शन काटने के बारे में ग्राहकों के साथ संपर्क नहीं करता है। उसने ऐसा करने के लिए किसी तीसरे पक्ष की एजेंसी को भी अधिकृत नहीं किया है। ट्राई ने एक बयान में कहा, ''ऐसे में किसी भी तरह का संचार (कॉल, संदेश या नोटिस) जो ट्राई से होने का दावा करता है और मोबाइल नंबर काटने की धमकी देता है, उसे संभावित धोखाधड़ी का प्रयास माना जाना चाहिए और इसपर ध्यान नहीं देना चाहिए।'' बिल भुगतान में गड़बड़ी, केवाईसी पूरा न होने या नंबर के दुरुपयोग की स्थिति में ही दूरसंचार सेवा प्रदाता किसी मोबाइल नंबर की सेवाएं बंद कर सकती है। ट्राई ने नागरिकों को सतर्क रहने और संदिग्ध धोखेबाजों के झांसे में न आने की सलाह दी है।

भारत, अफ्रीका को अगले सात साल में 200 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य रखना चाहिएः गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत और अफ्रीका के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। दोनों क्षेत्र अगले सात साल में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर विचार कर सकते हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन में गोयल ने कहा कि कृषि, औषधि, खनन, पर्यटन, मोटर वाहन, महत्वपूर्ण खनिज तथा अक्षय ऊर्जा प्रमुख क्षेत्र हैं जहां दोनों पक्ष सहयोग कर सकते हैं । उन्होंने कहा, '' मैं इस संबंध को अगले स्तर तक ले जाने के लिए सहयोग तथा समन्वय के इन छह क्षेत्रों का सुझाव देना चाहूंगा।'' गोयल ने कहा, '' क्या हम अपने व्यापार को दोगुना करने पर विचार कर सकते हैं। अभी तक केवल कुछ ही अफ्रीकी देश हैं जो भारत के साथ व्यापार करते हैं।'' उन्होंने कहा कि कम से कम 33 देश भारत की 'ड्यूटी फ्री टैरिफ प्रेफरेंस' (डीएफटीपी) योजना का लाभ नहीं लेते हैं।

गोयल ने कहा, '' क्या हम इस साझेदारी का लाभ अधिक से अधिक देशों को दिला सकते हैं और भारत तथा अफ्रीका के बीच व्यापार को 100 अरब डॉलर से बढ़ाकर 200 अरब डॉलर करने का मानक स्थापित कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हमें इसे सात वर्षों में पूरा करने पर विचार करना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि आईटी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसर मौजूद हैं, क्योंकि अफ्रीकी देशों को बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य और वित्तीय समावेश की जरूरते पूरी करने में भारत मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप परिवेश में सहयोग बढ़ाने की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

आयकर विभाग ने 15 दिन में करीब चार करोड़ आयकर रिटर्न प्रसंस्कृत किए

नई दिल्ली/भाषा। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि आयकर विभाग ने आकलन वर्ष वर्ष 2024-25 के लिए 15 दिन में करीब चार करोड़ आयकर रिटर्न का प्रसंस्करण किया है। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 31 जुलाई, 2024 तक 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किये गये हैं। कर विभाग लगभग 4.98 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) पहले ही प्रसंस्कृत कर चुका है और करदाताओं को इस बारे में सूचना भेज दी गई है। इनमें से 3.92 करोड़ आईटीआर 15 दिन से भी कम समय में प्रसंस्कृत किये गये। मल्होत्रा ने 165वें आयकर दिवस समारोह में कहा, ''हमने डिजिटलीकरण के क्षेत्र में प्रगति की है...15 दिन के भीतर लगभग चार करोड़ रिटर्न प्रसंस्कृत किये गये।'' उन्होंने कहा कि पिछले दशक में प्रत्यक्ष कर राजस्व 5.59 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

आयकर अधिनियम की समीक्षा छह महीने में पूरी कर ली जाएगीः सीबीडीटी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

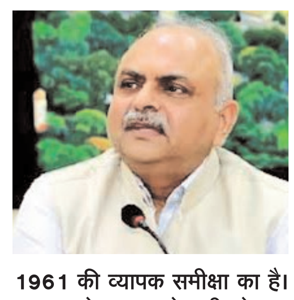

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 की समीक्षा का काम छह महीनों की निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट पेश करते हुए कहा था कि देश के प्रत्यक्ष कर कानून को सरल बनाने के लिए इसकी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने इस काम को छह महीने में पूरा करने की बात कही थी। आयकर विभाग का नियंत्रण करने वाले सीबीडीटी के प्रमुख अग्रवाल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''हमारे पास एक महत्वपूर्ण कार्य है जो आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा का है। इसका उद्देश्य मुकदमेबाजी को कम करना और करदाताओं को कर निश्चितता प्रदान करना है।'' अग्रवाल ने कहा कि सीबीडीटी ने इसके लिए मिशन अंदाज में काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह काम चुनौतीपूर्ण और परिवर्तनकारी होने के बावजूद निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया जाएगा। सीतारमण ने भारत में आयकर के 165वें वर्ष पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि के रूप में संचालन किया।

कोल इंडिया भारत और विदेशों में महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयासरत : चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने बुधवार को कहा कि वह घरेलू बाजार और विदेशों में लिथियम समेत महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। कंपनी ने कहा है कि वह ऐसे ब्लॉक की नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। लीथियम समेत महत्वपूर्ण खनिज, पवन टर्बाइन से लेकर इलेक्ट्रिक कारों तक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इलेक्ट्रिक कारों के लिए बैटरी के उत्पादन के लिए इनकी खास तौर पर मांग है।

कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पी एम प्रसाद ने कंपनी की 50वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा, ''लीथियम, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कंपनी भारत और विदेशों में इन खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है।'' उन्होंने कहा कि सीआईएल खान मंत्रालय द्वारा पेश किए गए महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सीआईएल ने घरेलू महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्ति में सफलतापूर्वक अपना खाता खोला है और मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी है।

भारत में ऑनलाइन विक्रेताओं ने 1.58 करोड़ नौकरियों का किया सृजनः रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन विक्रेताओं ने भारत में 1.58 करोड़ नौकरियों का सृजन किया है। इनमें से 35 लाख नौकरियां महिलाओं को मिली हैं। करीब 17.6 लाख खुदरा उद्यम ई-कॉमर्स गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में 'भारत में रोजगार तथा उपभोक्ता कल्याण पर ई-वाणिज्य के शुद्ध प्रभाव का आकलन' नामक रिपोर्ट बुधवार को जारी की।

दिल्ली स्थित नीति अनुसंधान संस्थान 'पहले इंडिया फाउंडेशन' (पीआईएफ) द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया, '' हमारे सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर हमारा अनुमान है कि ऑनलाइन विक्रेता 1.58 करोड़ नौकरियों का सृजन करते हैं जिनमें से 35 लाख नौकरियां महिलाओं के लिए हैं।''

रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स भारत में रोजगार देने वाला एक प्रमुख क्षेत्र रहा है। औसतन, ऑनलाइन विक्रेता ऑफलाइन विक्रेताओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक लोगों को रोजगार देते हैं और महिला कर्मचारियों की संख्या करीब दोगुनी है। इसमें कहा गया, खुदरा क्षेत्र में ई-कॉमर्स पहुंच के दो सबसे बड़े योगदान रोजगार में वृद्धि और उपभोक्ता कल्याण में सुधार है। भौतिक बाजारों को विस्थापित करने के बजाय, ई-कॉमर्स छोटे शहरों जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया, '' हमारे आंकड़ों से पता चलता है कि बड़े शहरों के उपभोक्ताओं की तुलना में छोटे शहरों के ज्यादा उपभोक्ता ऑनलाइन शॉपिंग पर प्रतिमाह 5,000 रुपए से अधिक खर्च करते हैं।'' यह भारत की उपभोग गाथा है, जो भौतिक तथा डिजिटल खुदरा व्यापार के सह-अस्तित्व को सक्षम बनाती है।

कब्रिस्तानों जैसा सन्नाटा नहीं, बल्कि गरिमा के साथ शांति चाहते हैंः महबूबा

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक्स पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को दावा किया कि जम्मू-कश्मीर पिछले पांच सालों से एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है और कहा कि उनकी पार्टी कब्रिस्तानों के सन्नाटे जैसा अमन नहीं, बल्कि गरिमा के साथ शांति चाहती है। मुफ्ती ने यहां पीडीपी मुख्यालय में एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। कार्यक्रम के दौरान राजौरी के पूर्व विधायक चौधरी कमर हुसैन फिर से पार्टी में शामिल हुए। साल 2020 में, हुसैन और पांच अन्य पीडीपी नेताओं को श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और विदेशी दूतों के एक प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

इसके बाद हुसैन जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री अल्ताफ बुखारी के नेतृत्व वाली अपनी पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद से न सिर्फ पीडीपी बल्कि पूरा जम्मू-कश्मीर पिछले पांच सालों से मुश्किल दौर से गुजर रहा है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा, हालात ऐसे हैं कि हम अपनी आवाज नहीं उठा सकते, हर जगह डर का माहौल है। ऐसे में जब नए लोग हमसे जुड़ते हैं और हमारी पार्टी को मजबूत करते हैं, तो इससे जम्मू-कश्मीर के लोगों की आवाज मजबूत होती है। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी अमन चाहती है, कब्रिस्तानों जैसा सन्नाटा नहीं, बल्कि गरिमा के साथ शांति चाहती है।

गुजरात में चांदीपुरा वायरस से जुलाई से अब तक 28 बच्चों की मौत : स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

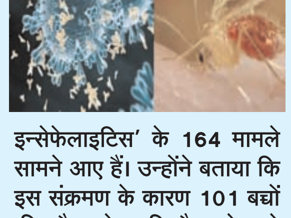

गांधीनगर/भाषा। गुजरात में जुलाई में चांदीपुरा वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद से अब तक 14 वर्ष से कम आयु के 28 बच्चों की मौत हो चुकी है। राज्य विधानसभा में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

आम आदमी पार्टी (आप) विधायक उमेश मकवाना द्वारा विधानसभा में पूछे गये एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि गुजरात में अब तक 'वायरल इन्सेफेलाइटिस' के 164 मामले सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि इस संक्रमण के कारण 101 बच्चों की मौत हो चुकी है। पटेल ने बताया कि अब तक पाए गए 164 मामलों में से 61 मामले चांदीपुरा वायरस के कारण हुए हैं। चांदीपुरा वायरस में फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, इसमें बुखार होता है और इन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क में सूजन) होता है। पटेल ने बताया, ''अब तक वायरल इन्सेफलाइटिस के कारण 14 साल से कम उम्र के 101 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से 28 की मौत चांदीपुरा वायरस संक्रमण के कारण हुई है, जबकि 73 की मौत अन्य वायरल संक्रमणों के कारण हुई है।'' मंत्री ने बताया कि इलाज के बाद 63 बच्चों को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई, जबकि चार का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पिछले सप्ताह कोई नया मामला सामने नहीं आया है। मंत्री ने कहा कि पिछले 12 दिन से किसी की मौत होने की भी कोई खबर नहीं है।

ब्रिटेन के 'ब्रांड फाइनेंस' ने अमूल को दुनिया के सबसे मजबूत खाद्य और डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सलाहकार कंपनी 'ब्रांड फाइनेंस' ब्रिटेन ने अमूल को दुनिया के सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड का दर्जा दिया है। इसने लगातार चौथे साल दुनिया के सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड का खिताब भी बरकरार रखा है।

कंपनी ने बयान में कहा, ''दुनिया की अग्रणी ब्रांड परामर्शक ब्रांड फाइनेंस, ब्रिटेन के अनुसार 'फूड एंड ड्रिंक 2024' नामक अपनी वार्षिक रिपोर्ट में अमूल को दुनिया के

सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड और सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है।'' रिपोर्ट में सबसे मूल्यवान और सबसे मजबूत खाद्य, डेयरी और नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स ब्रांड की सूची दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अमूल वर्ष 2023 में दूसरे स्थान से बढ़कर वर्ष 2024 में दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड बन गया है, जिसका ब्रांड मजबूती इंडेक्स (बीएसआई) स्कोर 100 में से 91 और एएए प्लस रेटिंग है। रिपोर्ट में सूचीबद्ध शीर्ष 50 वैश्विक ब्रांड में अमूल एकमात्र भारतीय ब्रांड है जिसे इसकी उपलब्धियों के लिए मान्यता दी गई है। ब्रांड अमूल का विपणन गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ द्वारा किया जाता है, जो दुनिया में किसानों के स्वामित्व वाली सबसे बड़ी सहकारी संस्था है। अमूल के प्रबंध निदेशक जयन मेहता ने कहा, ''यह वास्तव में पूरी अमूल टीम और हमारे 36 लाख किसानों के लिए गर्व का क्षण है, जिन्होंने इस ब्रांड को बनाने और विकसित करने में योगदान दिया है। हमने हमेशा माना है कि अमूल की धन दूध नहीं, बल्कि विश्वास है, और यह विश्वास ही है, जिसने पिछले 78 वर्षों में उपभोक्ताओं की हर पीढ़ी द्वारा पसंद किए जाने वाले ब्रांड का निर्माण किया है।'' अमूल सालाना 11 अरब लीटर दूध खरीदती है और इसकी कीमत 80,000 करोड़ रुपए (10 अरब डॉलर) है।

भारत ने मलेशिया को दो लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से मलेशिया को दो लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है।

हालांकि, घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध करने पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की अनुमति है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, एनसीईएल के माध्यम से मलेशिया को दो लाख टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति है। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोटे डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपीन और सेशेल्स जैसे देशों को इनके निर्यातों की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु-राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ अग्रणी सहकारी समितियों द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन समितियों में अमूल ब्रांड से प्रसिद्ध गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

अभिनेता विजय 22 अगस्त को अपनी पार्टी का झंडा जारी करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलगा वेट्री कषगम के अध्यक्ष एवं शीर्ष तमिल अभिनेता विजय बृहस्पतिवार को अपने नवनिर्मित राजनीतिक दल का झंडा जारी करेंगे।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान में विजय ने कहा कि वह अपनी पार्टी का झंडा जारी करेंगे और इसे पनाईयुर स्थित पार्टी कार्यालय पर फहरायेंगे। उन्होंने कहा कि वह पार्टी का ध्वज गीत भी जारी करेंगे।

इस साल फरवरी में विजय ने पार्टी शुरू करने का ऐलान किया था और कहा था कि वह 2026 में होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ेंगे ।

उन्होंने इस साल हुये आम चुनाव में किसी भी गठबंधन या दल का समर्थन नहीं किया था।

तमिलनाडु में खदान में विस्फोट, दो लोगों की मौत

इरोड। इरोड जिले में मंगलवार की देर रात एक गैर-लाइसेंसी निजी पत्थर खदान में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

विस्फोट के कारण मारे गए दोनों लोग खदान में कार्य करते थे और इनमें से एक कर्नाटक का रहने वाला था। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने विस्फोट में दो लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया और पीड़ितों के परिवारों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

हेमा समिति की रिपोर्ट : यूडीएफ ने केरल के मुख्यमंत्री विजयन से माफी मांगने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने बुधवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन के इस दावे को नकार दिया कि न्यायमूर्ति हेमा ने खुद उनसे मलयालम फिल्म उद्योग पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक न करने का अनुरोध किया था। यूडीएफ ने इसे सरासर 'झूठ' और 'पाखंड' बताया।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि तीन सदस्यीय समिति की अध्यक्ष रहीं न्यायमूर्ति हेमा ने सरकार से इसे सार्वजनिक न करने के लिए कभी नहीं कहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने झूठ बोलकर सभी को गुमराह करने की कोशिश की और उनका यह जवाब कि सरकार हमेशा पीड़ितों के साथ है, 'पाखंड' के अलावा कुछ नहीं है। विपक्ष के नेता ने न्यायमूर्ति हेमा द्वारा सरकार को कथित तौर पर भेजा पत्र भी जारी किया। उन्होंने कहा, उस पत्र में हेमा समित ने सरकार से रिपोर्ट जारी न करने के लिए कभी नहीं कहा बल्कि इसे जारी करते हुए उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने निर्देश दिया था कि पीड़ितों के नाम उजागर न किए जाए लेकिन यह रिपोर्ट पर कार्रवाई को लेकर बाधक नहीं है।

सतीशन ने कहा कि यह भी एक अपराध है यदि कोई व्यक्ति जो जानता है कि अपराध हुआ है, वह उसे छिपाए या उसकी जानकारी न दे। उन्होंने मुख्यमंत्री तथा अन्य मंत्रियों पर कोई कार्रवाई न कर इस पर चुप बैठने का अपराध करने का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री विजयन से न्यायमूर्ति हेमा द्वारा लिखे पत्र के बारे में कथित तौर पर भ्रामक दावे करने के लिए माफी मांगने को कहा। उन्होंने सरकार को इस रिपोर्ट पर कार्रवाई न करने पर सड़कों पर प्रदर्शन करने की भी चेतावनी दी। इस बीच, महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हेमा समिति की रिपोर्ट में किए गए खुलासों पर कार्रवाई की मांग करते हुए यहां पुलिस महानिदेशक कार्यालय तक मार्च निकाला।

राज्यसभा सदस्य जेबी माथर ने कहा कि सरकार को इस मामले की जांच के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की महिला अधिकारियों का एक दल गठित करना चाहिए। न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा में महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर आश्चर्यजनक खुलासों ने केरल में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है।

सहायता — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आईओबी ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव कॉमरेड एस. प्रेमकुमार और एनसीबीई के अध्यक्ष और एआईओबीईयू के जीएस आर. बालाजी ने वायनाड पीड़ितों के लिए राहत कोष के लिए केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को 10 लाख रुपये का डीडी भेंट किया।

श्रीजेश को दो करोड रुपए का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, ''पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।'' श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था।

तमिलनाडु में तीन साल में 9.74 लाख करोड़ रुपए का निवेश आया : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य ने 9.74 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है जिससे 31 लाख नए रोजगार पैदा हुए हैं।

स्टालिन ने तमिलनाडु में 68,773 करोड़ रुपये मूल्य की परियोजनाओं की आधारशिला रखते हुए कहा कि इन परियोजनाओं से करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। उन्होंने यहां 'तमिलनाडु निवेश संगोष्ठी' को संबोधित करते हुए कहा, यह तमिलनाडु के औद्योगिक एवं विकास के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण दिन है। यह अपनी आर्थिक ताकत दुनिया को दिखाने का दिन है और यह तमिलनाडु के सुनहरे भविष्य को साकार करने का दिन है। मुख्यमंत्री ने 17,616 करोड़ रुपये मूल्य की 19 परियोजनाओं का उद्घाटन करने के अलावा 51,157 करोड़ रुपये मूल्य की 28 विभिन्न परियोजनाओं की बुनियाद भी रखी। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वित होने पर राज्य में 1,06,803 नए रोजगार अवसर पैदा होंगे। स्टालिन की अगुवाई वाली सरकार मई, 2021 में बनी थी। स्टालिन तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने के लिए अगले सप्ताह अमेरिका की यात्रा पर रवाना होने वाले हैं। उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी अमेरिका जाएगा।

पीएमएलए मामला : तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की याचिका पर सुनवाई 28 अगस्त तक स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने बुधवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी की अपील पर सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका में बालाजी ने सत्र अदालत द्वारा उन्हें धन शोधन के एक मामले में आरोप मुक्त करने से इनकार किए जाने को चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति एस. एम. सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति वी. शिवज्ञानम की पीठ ने सेंथिल बालाजी की ओर से पेश अधिवक्ता गौतमन के अनुरोध पर अपील पर सुनवाई 28 अगस्त तक स्थगित कर दी। जब मामला सुनवाई के लिए आया तो अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ए आर एल सुंदरसन ने अदालत में कहा कि प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अली ने धनशोधन मामले में सेंथिल बालाजी के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं और अभियोजन पक्ष के गवाह से पूछताछ करके मुकदमा भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि बहस के लिए मुकदमे की तारीख 22 अगस्त तय की गई है।

बालाजी का पक्ष रख रहे अधिवक्ता गौतमन ने मामले पर बहस करने के लिए और समय देने का अनुरोध किया जिसपर मामले की अगली सुनवाई 28 अगस्त को तय करते हुए पीठ ने कहा कि जो सुनवाई पहले ही शुरू हो चुकी है, वह जारी रह सकती है।

बालाजी को 14 जून, 2023 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पैसे लेकर नौकरी देने के घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया था। बालाजी पर पूर्ववर्ती ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकार के दौरान परिवहन मंत्री रहते हुए कथित घोटाले को अंजाम देने का आरोप है।

फर्जी एनसीसी शिविर में नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण मामले की जांच एसआईटी करेगी : तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कृष्णागिरि जिले में हाल ही में एक फर्जी राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) शिविर में नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण से संबंधित घटनाओं की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित करने का आदेश दिया है। राज्य सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राज्य सरकार ने बताया कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की वरिष्ठ अधिकारी के. भवनेश्वरी विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व करेंगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें मामले की जांच में तेजी लाने और 60 दिनों के भीतर आरोप-पत्र दायर करने का काम सौंपा है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, स्टालिन ने ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के वास्ते उपाय सुझाने के लिए बहु-विषयक दल (एमडीटी) गठित करने का भी निर्देश दिया है। समाज कल्याण विभाग की सचिव जयश्री मुरलीधरन एमडीटी का नेतृत्व करेंगी और इसमें अन्य लोगों के अलावा पुलिस और स्कूल शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले के बरगुर में फर्जी एनसीसी शिविर में आठवीं कक्षा की एक छात्रा का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था, जिसके बाद इस मामले में अब तक मुख्य संदिग्ध सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया कि इस बात की जांच की जा रही है कि क्या इसी तरह के और भी फर्जी प्रशिक्षण शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इसमें कहा गया कि मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को इस घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा दिए जाने का निर्देश दिया है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को कांचीपुरम् कामकोटि पीठ के पीठाधीश श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती स्वामीजी से तमिलनाडु भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अन्नामलाई अपनी पदयात्रा के बाद स्वामीजी से मिल रहे थे। उनके साथ तमिलनाडु भाजपा आध्यात्मिक और मंदिर विकास विंग के अध्यक्ष नचियप्पन और अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण रेलवे के राजभाषा विभाग द्वारा 'आपकी फरमाइश' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के अपर मंडल रेलप्रबंधक एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी तेजप्रताप सिंह के निर्देशानुसार हिन्दी विभाग ने 21 अगस्त को एक नई योजना की शुरू की जिसका नाम 'आपकी फरमाइश-राजभाषा में'। इस योजना के तहत किसी भी स्टेशन कम से कम 30 कर्मचारी को प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करते हैं और निंबंध, वॉक, टिप्पणी व आलेखन, संगीत, अंताक्षरी और प्रश्नमंच के साथ हिन्दी वार्तालाप विषय पर प्रतियोगिताएं होंगी।

जोलारपेट्टै में इस योजना की शुरूआत के रूप में राजभाषा प्रश्नमंच की प्रतियोगिता चलायी गयी। इसमें विभिन्न विभागों से 42 कर्मचारी भाग लिये थे। इसकी अध्यक्षता सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी/ जोलारपेट्टै डॉ शिल्पा थामस ने किया। सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर/जोलारपेट्टै श्री आर.सुब्रह्मण्यन ने सारी व्यवस्थाएँ की। कर्मचारियों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग लिया और चाहा कि बाकि प्रतियोगिताओं के लिए भी तीस से अधिक कर्मचारी आएँगे और जोलारपेट्टै में ही चलाने का अनुरोध किया।

इस प्रतियोगिता में चार टीम को पुरस्कार मिला। चेन्नई मंडल रेल प्रबंधक बी विश्वनाथ ईर्या की अध्यक्षता में सम्पन्न होने वाले हिन्दी समारोह के दौरान पुरुस्कार प्रदान किया गया। हिंदी में श्रेष्ठ कार्य करने के लिए रेलपथ कार्यालय के अधीक्षक एम प्रभाकरण को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ए. श्रीनिवासन ने प्रश्नमंच चलाया। मुख्य कार्यालय अधीक्षक पीजे जॉय की सहायता से अनुवादक अगस्टिन अर्पुदराज ने सम्पूर्ण समन्वय कार्य किया।

केरल पुलिस ने फर्जी लॉटरी से जुड़े ऐप और विज्ञापनों को लेकर गूगल और मेटा को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल पुलिस ने गूगल को नोटिस जारी कर 'प्ले स्टोर' से उन ऐप को हटाने के लिये कहा है जो राज्य द्वारा संचालित लॉटरी के नाम पर ऑनलाइन फर्जी लॉटरी बेच रहे हैं।

राज्य पुलिस मीडिया सेंटर (एसपीएमसी) ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि 'मेटा' को भी उसके सोशल मीडिया मंचों फेसबुक, व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम से ऐसी फर्जी लॉटरी के विज्ञापन हटाने के लिए इसी तरह का नोटिस जारी किया गया है।

एसपीएमसी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि साइबर गश्त के दौरान पता चला कि 60 फर्जी लॉटरी ऐप, 25 फर्जी फेसबुक प्रोफाइल और 20 वेबसाइट इस घोटाले से जुड़ी हैं, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। इसमें कहा गया है कि धोखाधड़ी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घोटाले का ब्योरा देते हुए पुलिस ने कहा कि 'केरल मेगामिलियन लॉटरी' और 'केरल समर सीजन धमाका' के नाम से फर्जी विज्ञापन पिछले कुछ समय से व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित हो रहे हैं और इनमें कहा गया है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित लॉटरी ऑनलाइन खरीदी जा सकती है।

इसमें कहा गया है कि लोगों को उनके फोन पर यह संदेश भी मिलता है कि केरल सरकार ने ऑनलाइन लॉटरी शुरू की है और 40 रुपये खर्च करने पर 12 करोड़ रुपये तक जीतने का मौका है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाद में, जब ड्रॉ का समय समाप्त हो जाता है, तो ठग फर्जी परिणाम भेजते हैं, जो दिखाते हैं कि लॉटरी धारक ने पांच लाख रुपये का पुरस्कार जीता है। इसके बाद, सरकारी प्रतिनिधि बनकर कोई शख्स पीड़ित को कॉल करता है और 'टिकट धारक' से पुरस्कार राशि प्राप्त करने के लिए 'जीएसटी' और 'स्टांप ड्यूटी' के लिए एक निश्चित राशि बैंक खाते में स्थानांतरित करने के लिए कहता है। मांगी गई राशि हस्तांतरित होने के बाद, वे यह दावा करते हुए अधिक धनराशि की मांग करते हैं कि आरबीआई ने पुरस्कार राशि रोक ली है।

वायनाड में भूस्खलन में 17 परिवारों का कोई सदस्य जीवित नहीं बचा : मुख्यमंत्री विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा है कि वायनाड में पिछले महीने भारी बारिश के बाद बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं से प्रभावित इलाकों में रहने वाले 17 परिवारों का एक भी सदस्य जीवित नहीं बचा।

भूस्खलन प्रभावित इलाकों में 119 लोग अब भी लापता हैं और उनके 91 रिश्तेदारों के डीएनए नमूने एकत्र कर जांच के लिए भेजे गए हैं।

विजयन ने मंगलवार को कहा कि वायनाड जिले में भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और इसके तहत बैंकों ने 30 जुलाई के बाद पीड़ितों के खातों से काटी गई मासिक किस्त वापस करने और उनके मौजूदा ऋण का पुन:निर्धारण करने का निर्णय लिया है। विजयन ने कहा कि बैंक भूस्खलन प्रभावित लोगों द्वारा लिए गए ऋण को पूरी तरह माफ करने का सुझाव भी अपने निदेशक मंडल के समक्ष रखेंगे। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ये निर्णय सोमवार को यहां आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) की बैठक में लिए गए।

विजयन ने कहा कि आपदा प्रभावित इलाकों में रहने वाले 17 परिवारों का कोई सदस्य जीवित नहीं बचा। वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्र में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर भूस्खलन के कारण दोनों क्षेत्र में 200 से अधिक लोग मारे गए और कई लोग घायल हो गए।

विजयन ने कहा कि एसएलबीसी की बैठक में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से 30 जुलाई के बाद काटी गई मासिक किस्त को उनके बैंक खातों में वापस करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय उन लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए लिया गया, जिन्हें आपदा के बावजूद विभिन्न ऋण का पुनर्भुगतान करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह भी फैसला किया गया कि कृषि और गैर-कृषि उद्देश्यों के वास्ते लिए गए मौजूदा ऋण का पुन:निर्धारण जल्द से जल्द किया जाएगा, तत्काल राहत के लिए 25,000 रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिसका भुगतान 30 महीनों में किया जा सकता है और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सभी वसूली प्रक्रियाओं को फिलहाल स्थगित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, यह भी निर्णय लिया गया कि प्रभावित लोगों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता को उनके मौजूदा वित्तीय दायित्वों के पुन: भुगतान में परिवर्तित नहीं किया जाएगा तथा आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के बैंक खातों से संबंधित 'नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस' के तहत आदेशों की समीक्षा की जाएगी, ताकि उन पर वित्तीय दबाव न पड़े। इसके अतिरिक्त, एसएलबीसी ने बैंकों से नये ऋण की शर्तों को आसान बनाने तथा आपदा से प्रभावित लोगों को शीघ्र ऋण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''केरल में बैंकों का समर्थन उन दुर्भाग्यपूर्ण लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए आवश्यक है, जिन्होंने अपनी आजीविका खो दी है और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।''

विजयन ने वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के खातों से बैंकों द्वारा ऋण की मासिक किस्त काटने पर सोमवार को सरकार की ओर से कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी और मांग की थी कि इन ऋण को पूरी तरह से माफ कर दिया जाए। भूस्खलन से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए आवास की व्यवस्था करने और आपदा में मारे गए लोगों के निकटतम परिजन को छह-छह लाख रुपये का मुआवजा प्रदान करने के कदम भी उठाए गए हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

क्षेत्रीय कार्यालय, द्वितीय तल, 139, ब्रॉडवे, चेन्नई-600108

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को बैंकिंग उद्देश्य के लिए 2 उपयुक्त परिसरों की आवश्यकता है
1. अन्ना नगर, 2. टीएसके नगर

1. **अन्ना नगर** - में भूतल पर **+/- 2000 वर्ग** फीट कालीन क्षेत्र के लिए तैयार स्थिति में एक उपयुक्त परिसर की आवश्यकता है, जो अधिमानत: हमारे वर्तमान **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अन्ना नगर, डी नं 231, वाई ब्लॉक, 6वां मेन रोड, अय्यप्पन मंदिर रोड, अन्ना नगर, चेन्नई-600040** से 1-2 किमी के अंदर हो।
2. **टी.एस.के. नगर** - टी.एस.के. नगर में ग्राउंड फ्लोर पर **+/- 2000 वर्ग** फीट कारपेट एरिया के साथ तैयार कब्जे में, अधिमानतः हमारी मौजूदा **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया टी.एस.के. नगर शाखा, आर-32, टी.एन.एच.बी. शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, अम्बत्तूर एस्टेट रोड, टी.एस. कृष्णा नगर, चेन्नई - 600050** से 500 मीटर के भीतर।

भावी विक्रेता जो स्वामित्व रखते हैं या परिसर के मालिक की ओर से बातचीत करने का अधिकार रखते हैं, वे कार्यालय समय के दौरान **22.08.2024 (गुरुवार)** से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अन्ना नगर शाखा/क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै उत्तर से तकनीकी बोली एवं मूल्य बोली के फार्मेट प्राप्त करें या वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in or https://eprocure.gov.in** से डाउनलोड करें और अपनी तकनीकी बोलीयों तथा मूल्य बोलीयों को, दो अलग-अलग मुहरबंद लिफाफे में डालकर, उसके ऊपर तकनीकी/मूल्य बोली लिखकर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नै उत्तर(ब्रॉडवे क्षेत्रीय कार्यालय), सं.139, प्रकाशम सालै, ब्रॉडवे, द्वितीय तल, चेन्नै-600 108 को दिनांक **06.09.2024 (शुक्रवार)** के दोपहर **दोपहर 12 बजे** तक या उससे पहले प्रस्तुत करें। विक्रेता/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में, उपरोक्त पते पर, **06.09.2024 (शुक्रवार)** को शाम **दोपहर 1 बजे** तकनीकी बोलियाँ खोली जाएगीं। कृपया दलाल या मध्यवर्ती संस्थाएं भाग न लें। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी/अर्ध सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जानेवाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बिना कोई कारण बताए, बोलियों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार बैंक रखता है।

उप महा प्रबन्धक

राजस्थान में 'भारत बंद' का रहा मिलाजुला असर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बुधवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के विरुद्ध भारत बंद के तहत बंद शांतिपूर्ण एवं इसका मिला जुला असर रहा। राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के जोधपुर, अजमेर, भरतपुर सहित कई जिलों में बंद के तहत कई संगठनों ने रैलियां निकाली और इस दौरान इन स्थानों पर अधिकतर दुकानें बंद रही। बंद के मद्देनजर प्रशासन एवं पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई।

इस दौरान जयपुर में रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। शहर में यह यह रैली रामनिवास बाग से शुरु होकर सांगानेर, बड़ी चौपड़, अजमेरी गेट होते हुए वापस रामनिवास बाग पर आकर समाप्त हो गई। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित के अनुसार जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण में बंद शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया और इस दौरान शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रैलियां निकाली गई और उनका शांतिपूर्ण समापन हुआ। इसके बाद ज्ञापन देकर लोग अपने गंतव्य पर चले गये। उन्होंने बताया कि बंद के दौरान कानून एवं शांति बनाये रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए और बंद शांतिपूर्ण रहा एवं कहीं से भी कोई अप्रिय खबर प्राप्त नहीं हुई।

इससे पहले सुबह से बंद को लेकर लोग सड़कों पर आने लगे और विभिन्न जगहों पर रैलियां निकाली गई और कुछ स्थानों पर दुकानें खुली दिखने पर उन्हें बंद भी कराया गया लेकिन इस दौरान कहीं भी कोई टकराव की स्थिति नहीं बनी।हालांकि रैली निकालने के दौरान रास्ते बंद करने से कुछ देर लोगों को परेशानी हुई।

इसी तरह भरतपुर में भी भारत बंद के तहत रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। भरतपुर कलक्टर मृदुल कच्छावा के अनुसार भरतपुर में बंद शांतिपूर्ण रहा और इस दौरान कहीं से कोई अप्रिय खबर नहीं मिली हैं। उन्होंन बताया कि इस दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए माकूल प्रबंध किए गए थे। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य कई हिस्सों में बंद शांतिपूर्ण रहा और इसका मिलाजुला असर देखने को मिला। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में बंद का असर कम देखने को मिला।

आमजन के सहयोग से राजस्थान में भारत बंद शांतिपूर्ण रहा : साहू

प्रदेश में विभिन्न संगठनों के आह्वान पर बुधवार को भारत बंद के तहत राजस्थान में बंद शांतिपूर्ण रहा। यह जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि प्रदेश में राज्य सरकार के निर्देश पर पुलिस-प्रशासन की ओर से किए गए प्रयासों के कारण बंद शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। राज्य में बंद के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन द्वारा आमजन के सहयोग तथा संगठनों के साथ समन्वय से विगत दिनों में लगातार प्रयास किए गए। पुलिस एवं प्रशासन के पुख्ता इंतजाम के कारण पूरे प्रदेश में एक-दो छिटपुट घटनाओं को छोड़कर कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन के साझा माकूल इंतजामों की वजह से बंद शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

डीजीपी साहू ने बताया कि विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा बुधवार, 21 अगस्त को संपूर्ण भारत बन्द का आह्वान किया गया था। बन्द के आह्वान पर पुलिस विभाग द्वारा आज से 10-12 दिन पहले ही कार्ययोजना बनाना शुरू कर दिया था। इसके लिए प्रदेश के सभी एसपी, सर्किल ऑफिसर एवं एसएचओ को बंद का आह्वान करने वाले संगठन के पदाधिकारियों, व्यापारिक संगठन एवं ट्रांसपोर्ट संगठन के साथ अलग-अलग स्तर पर बैठक आयोजित कर चर्चा करने के निर्देश दिए गए, ताकि बंद के आयोजन को लेकर किसी प्रकार का विवाद ना रहे। डीजीपी साहू ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भी बैठकों का आयोजन किया गया और दिशा निर्देश जारी किए गए। मुख्य सचिव सुधांश पंत द्वारा भी जिला कलेक्टर, जिला एसपी एवं रेंज आईजी के साथ बैठक कर पुलिस एवं प्रशासन को एकजुट होकर इस बंद के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश जारी किए गए। इन निर्देशों की पालना में जिलों में प्रशासन एवं पुलिस ने एक साथ मिलकर व्यवस्थाओं को तैयार किया। साथ ही अलग-अलग समय पर लोगों से वार्ता कर जहां कहीं भी किसी प्रकार का कंफ्यूजन था, उस कंफ्यूजन को दूर करने का सार्थक प्रयास किया।

डीजीपी ने बताया कि पुलिस-प्रशासन द्वारा सभी संगठनों के लोगों को एक जगह बैठा कर आयोजन के संबंध में सहमति प्राप्त की। आज सुबह से सभी जिलों और सभी जगह पर पुलिस ने काफी अच्छी मेहनत कर इस बंद को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में अपना महत्ती योगदान दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि दो-तीन जगह अलग-अलग छिटपुट घटनाएं हुई है, लेकिन इन घटनाओं के संबंध में अभी कोई केस दर्ज नहीं हुआ है। यदि इस सम्बन्ध में किसी तरफ से कोई रिपोर्ट प्राप्त होती है तो उसके अनुसार जो घटना हुई है, उस पर विधि सम्मत आवश्यक कानूनी कार्रवाई संपादित की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने राज्यसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बुधवार को राजस्थान से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया। बिट्टू यहां विधानसभा भवन पहुंचे और निर्वाचन अधिकारी महावीर प्रसाद शर्मा के कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और दीया कुमारी तथा संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल भी मौजूद थे।

विधानसभा में उन्होंने भाजपा विधायक दल की बैठक में भी भाग लिया और उन्हें राजस्थान से राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर पार्टी का आभार जताया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, अन्य नेताओं और विधायकों ने बिट्टू को बधाई दी। शर्मा ने विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य मदन राठौड़ भी मौजूद थे।

नामांकन के बाद मुख्यमंत्री शर्मा ने बिट्टू को बधाई देते हुए 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान से राज्यसभा उप-चुनाव हेतु भाजपा प्रत्याशी व माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के नामांकन दाखिल करने के अवसर पर उपस्थित रहा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपकी विशिष्ट कार्यशैली न केवल प्रदेश अपितु समग्र देश की विकास यात्रा को गति प्रदान करेगी...। उन्होंने लिखा, विजयकी अग्रिम शुभकामनाएं...।

राजस्थान से राज्यसभा की यह सीट केसी वेणुगोपाल (कांग्रेस) के लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद इस्तीफा देने से खाली हुई है। इस सीट पर सदस्यता का कार्यकाल 21 जून 2026 तक रहेगा। इस सीट पर उपचुनाव के लिए आज नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है और राज्य विधानसभा में सत्तारूढ़ पार्टी के बहुमत के कारण बिट्टू का निर्विरोध निर्वाचित होना तय माना जा रहा है। विपक्षी दल कांग्रेस ने उपचुनाव में उम्मीदवार न उतारने का फैसला किया है। हालांकि, निर्दलीय उम्मीदवार बबीता वाधवानी ने 17 अगस्त को नामांकन दाखिल किया है लेकिन नामांकन में प्रस्तावकों का विवरण नहीं है। उपचुनाव के लिए 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी, जबकि 27 अगस्त तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे। आवश्यक होने पर मतदान तीन सितम्बर प्रातः नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। मतगणना इसी दिन होगी। राजस्थान में कुल 10 राज्यसभा सीट हैं और उनमें से एक खाली है। नौ सीट में से भाजपा के पास चार और कांग्रेस के पास पांच सीट हैं।

कांग्रेस राज्यसभा चुनाव में राजस्थान में अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को कहा कि पार्टी आगामी राज्यसभा चुनाव में राज्य में अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। डोटासरा ने कहा कि पार्टी लोकतंत्र में विश्वास करती है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) निर्वाचित प्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त में लिप्त है। डोटासरा ने कहा, हम उनकी (भाजपा) तरह दलालों पर निर्भर नहीं हैं। भाजपा के पास राज्यसभा उम्मीदवार को चुनने के लिए पूर्ण बहुमत है। हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। हम खरीद-फरोख्त और दलाली में विश्वास नहीं करते। इसलिए भाजपा जिसे भी उम्मीदवार बनाएगी, वह निर्विरोध निर्वाचित होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती समारोह के बाद यहां संवाददाताओं से यह बात कही। डोटासरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण खतरे में है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग सिर्फ कुर्सी हथियाने के लिए काम कर रहे हैं, और देश में सत्ता हथियाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने दावा करते हुए कहा, देश में गृहयुद्ध जैसे हालात हैं और प्रधानमंत्री विदेश यात्राओं में व्यस्त हैं। आज हमारे किसी भी पड़ोसी देश से रिश्ते अच्छे नहीं हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा 'एक राज्य एक चुनाव' और 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का नारा देती है। लेकिन हाल ही में चार में से दो राज्यों में चुनाव घोषित हो गए। प्रदेश की छह विधानसभा सीटों के साथ कई जगहों पर उपचुनाव होने थे। लेकिन पता नहीं ये कब होंगे। उन्होंने केंद्र से आरक्षण पर अपना रुख साफ करने को भी कहा। उन्होंने कहा, आज अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के वर्ग के लोग आक्रोशित हैं, क्योंकि सरकार ने आरक्षण पर अपना रुख साफ नहीं किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का रुख साफ है कि वह आरक्षण के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने देगी और इसे कमजोर नहीं होने देगी। डोटासरा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है और आए दिन दुष्कर्म और हत्याएं हो रही हैं।

गरीब के लिए सदा समर्पित होकर कार्य करता रहूंगा : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का बुधवार को छत्रपति संभाजी नगर में 'सहकार महर्षि' के रूप में महाराष्ट्र के डेयरी और राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील के मुख्य आतिथ्य में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि गणों, गणमान्य जनों, सहकारिता आंदोलन से जुड़े विशिष्ट जनों आदि ने सार्वजनिक रूप में अभूतपूर्व अभिनंदन किया।

बागड़े भी इस दौरान भावुक हो उठे और उन्होंने कहा कि वह डेयरी, पशुपालन और सहकारिता के जरिए गांवगरीब के लिए सदा समर्पित होकर कार्य करते रहेंगें। उन्होंने अपने अभिनंदन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह मेरा नहीं जनता का सम्मान है।

गोवर्धन दुग्ध सहकारी संस्था के स्वर्ण जयंती महोत्सव पर आयोजित अभिनंदन समारोह में महाराष्ट्र के दुग्ध पालकों और सहकारिता आंदोलन से जुड़े विशिष्ट जनों ने उनका अभिनंदन करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में डेयरी और पशुपालन को बागडे ने गति ही प्रदान नहीं की बल्कि इसके जरिए गरीब और गांव के लोगों को आजीविका के साथ सम्मान से रहने की दृष्टि प्रदान की है।

बागड़े के अभिनंदन समारोह में उनके द्वारा स्थापित 'गोवर्धन दुग्ध सहकारी संस्था' के इतिहास की चर्चा करते हुए यह भी कहा गया कि ऐसे दौर में जब दुग्ध उत्पादन सहकारी आंदोलन नहीं बना था, तब देश में दुग्ध उत्पादन और विपणन के जरिए पशुपालकों और किसानों की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने का महती कार्य उन्होंने किया। समारोह में राज्यपाल बागडे का भावभरा अभिनंदन करते हुए उनके द्वारा जनहित में कृषि, पशुपालन और डेयरी से राजस्व प्राप्ति के लिए गांवगरीब के लिए किए कार्यो का विशेष रूप से स्मरण किया गया।

दीया कुमारी ने की अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को सचिवालय में विद्याधर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता, नगरीय विकास विभाग के सचिव टी रविकान्त, जयपुर विकास प्राधिकरण कमिश्नर मंजू राजपाल मौजूद थी।

बैठक में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मुख्य रास्तो में जलभराव व टूटी सड़कों की शिकायतों के निराकरण, सीकर रोड पर महाराजा शेखा सर्किल से ट्राईटन मॉल की तरफ़ जलभराव, खातीपुरा रोड पर जलनिकासी, सीकर रोड चौंमू पुलिया से 14 नंबर रोड तक पूरी सड़क नई बनवाने, जेडीए की सभी कॉलोनियों में नई सड़क बनाने तथा ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने, वार्ड न 4 हरमाडा में पीएचसी के लिए भूमि आवंटन, सेटेलाईट अस्पताल बनाने के लिए पंचायत समिति की भूमि का पट्टा स्वास्थ्य विभाग के नाम बना कर आवंटन करने, राव शेखा पुलिया डीएमबी के सामने से चौमू पुलिया की तरफ़ सर्विस रोड पर अतिक्रमण हटा , सर्विस रोड का निर्माण करवाने, कन्या महाविद्यालय का निर्माण, 1 से 42 वार्ड तक सभी वार्डों में सीवरेज की पुरानी लाईनो के नये प्रस्ताव बनाने, ड्रेनेज समस्या को हल करने, स्ट्रीट लाईट लगवाने, श्मशानो में सुविधाओ के विकास, वीकेआई में सड़कों के निर्माण, रिको एरिया में जलभराव की समस्या, एसटीपी प्लांट के मुद्दो पर विचार विमर्श कर दिशा निर्देश दिए।

केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री जोशी ने जन पोषण केंद्र का किया वर्चुअल उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को शाहपुरा के नाथावाला ग्राम पंचायत में जन पोषण केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए सावंत ने बताया कि जन पोषण केंद्र का उद्देश्य उचित मूल्य दुकानदार की आय में वृद्धि करना, जनता को पोषण के प्रति जागरूक करना और पोषक पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उपायुक्त आशीष कुमार ने बताया कि बाल्यावस्था से ही पोषण पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि पोषण पर किया गया खर्च बीमारियों से बचाता है। जिला रसद अधिकारी जयपुर ग्रामीण श्रीमती अनुराधा गोगिया ने बताया कि जयपुर जिले में 15 उचित मूल्य दुकान जन पोषण केंद्र के लिए चयनित की गई है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिउपखंड अधिकारी शाहपुरा अशोक कुमार, प्रवर्तन अधिकारी कल्याण सहाय करोल, जयराम गुर्जर, प्रवर्तन निरीक्षक राहुल भावरिया तथा अन्य अधिकारी गण, रामफूल गुर्जर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन ने संभाला गलता जी पीठ के घाट के बालाजी मंदिर का प्रबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों की अनुपालना में देवस्थान विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा मंदिर ठिकाना गलता जी का बतौर प्रशासक प्रबंधन एवं संचालन किया जा रहा है। प्रबन्धन एवं संचालन समिति के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) राजकुमार कस्वां ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में बुधवार को जिला प्रशासन द्वारा गलता जी पीठ के घाट के बालाजी मंदिर का प्रबंधन एवं संचालन संभाल लिया गया है।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा मंदिर ठिकाना गलता जी की समस्त परिसंपत्तियों के प्रबन्धन एवं संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सहायतार्थ प्रबन्धन एवं संचालन समिति का गठन किया है।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) की अध्यक्षता में गठित प्रबन्धन एवं संचालन समिति में उपखण्ड अधिकारी-जयपुर प्रथम एवं कोषाधिकारी (शहर), जयपुर को सदस्य एवं सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग को सदस्य सचिव बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि माननीय उच्च न्यायालय ने मंदिर ठिकाना गलता जी के महंत अवधेशाचार्य की नियुक्ति को अवैध घोषित करते हुए मंदिर ठिकाना गलता जी एवं उसकी समस्त परिसंपत्तियों का प्रबन्धन एवं संचालन राज्य सरकार एवं देवस्थान विभाग को करने के निर्देश दिये गए हैं।

तालाब में डूबने से चार युवकों की मौत

जयपुर। राजस्थान के टोंक जिले के उनियारा थाना क्षेत्र में बुधवार को चार युवकों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

थानाधिकारी धर्मेश दायमा ने बताया कि मोहम्मदपुरा गांव में हंसराज, दिलखुश, विकास और विजय तालाब से भैंस निकालने गए थे, लेकिन वे कीचड़ में धंस गए और डूब गए। उन्होंने बताया कि चारों युवक 17-18 साल के आयु वर्ग के थे।

योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश पर 'पीडीए' नारे को लेकर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अखिलेश यादव पर उनके 'पीडीए' नारे को लेकर निशाना साधा और समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष पर ओबीसी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के प्रति अनादर दिखाने का आरोप लगाया।

सिंह की तीसरी पुण्यतिथि पर 'हिंदू गौरव दिवस' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने राम मंदिर आंदोलन के अहम नेता रहे सिंह को श्रद्धांजलि नहीं देने और माफिया मुख्तार अंसारी के मरने पर मातम मनाने' के लिए यादव पर निशाना साधा। सिंह छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद पर 'कारसेवकों' द्वारा हमला किए जाने के समय प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उनका 21 अगस्त 2021 को निधन हो गया। उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से मरणोपरांत सम्मानित किया गया। आदित्यनाथ ने कहा, ''सपा के मुखिया (अखिलेश यादव) बाबूजी (कल्याण सिंह) के दिवंगत होने पर उन्हें श्रद्धांजलि देने नहीं गये मगर सैकड़ों हिन्दुओं के खून से जिसके हाथ रंगे हुए थे, ऐसे दुर्दांत माफिया (मुख्तार अंसारी) की मजार पर फातिहा पढ़ने चले गये। क्या यही पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) है? यही पीडीए का वास्तविक चरित्र है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''इनका चरित्र देखना है तो अयोध्या और कन्नौज में बालिकाओं के साथ जो घटनाएं हुई, उन्हें देखिये। वही इनका चरित्र है। जब तक हम इनका एकजुट होकर मुकाबला नहीं करेंगे तब तक ये प्रदेश की जनता को ऐसे ही बेवकूफ बनाते रहेंगे। ये उन्हें ऐसे ही छलते रहेंगे।'' पीडीए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा पिछले लोकसभा चुनाव से पहले दिया गया नारा है। इसके तहत पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को एकजुट करने का आह्वान किया गया था। सपा और उसकी सहयोगी कांग्रेस ने गत लोकसभा चुनाव में भाजपा को झटका देते हुए उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 सीट हासिल की थीं। आदित्यनाथ ने हिन्दुओं के एकजुट होने की जरूरत बताते हुए कहा, ''हमें हिन्दू एकता के महत्व को समझना होगा। हिन्दू कोई जाति, मत या मजहब नहीं है। यह भारत की सुरक्षा, एकता और अखंडता की गारंटी है। जब तक सनातन अटूट है तब तक भारत अखंड है। जिस दिन यह बिखरा तो देश को तिनका-तिनका करके बिखेर दिया जाएगा। हमें यह कतई नहीं होने देना है।'' उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ''आपको बांटने की कोशिश करने वालों का चरित्र और चेहरा अलग है। जब भी उन्हें मौका मिला तब उन्होंने सनातन को नुकसान पहुंचाया।''

राम जन्म भूमि आंदोलन में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के योगदान को याद करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि सिंह ने उस समय की ताकतों से विपरीत परिस्थितियों में मुकाबला किया, मगर वह रामजन्मभूमि आंदोलन से कभी पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा, छह दिसंबर 1992 का समय आया। केन्द्र सरकार का दबाव था कि अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलायी जाए। उस समय के मुख्यमंत्री बाबूजी (कल्याण सिंह) ने कहा कि हम ऐसा नहीं करेंगे, और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह इस्तीफा दे देंगे।

राहुल गांधी अनुच्छेद 370 पर कांग्रेस का रुख स्पष्ट करें : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर यात्रा पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस नेता से अनुच्छेद 370 एवं अनुच्छेद 35ए पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करने के लिये कहा।

केंद्रशासित प्रदेश के लिए पार्टी के संगठन प्रभारी तरुण चुघ ने कहा कि इस दौरे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा क्षेत्र में लाई गई 'शांति और विकास' से राहुल गांधी को परिचित होने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'तीन परिवारों' ने पिछले कई दशकों से अपनी नीतियों से जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद और आतंकवाद के माहौल को भड़काया है जबकि 2014 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद वहां स्थितियां बदली हैं। जम्मू एवं कश्मीर में भाजपा नेता अक्सर कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पर निशाना साधने के लिए 'तीन परिवारों' का जिक्र करते हैं।

चुघ ने कहा कि कश्मीर की पहचान अब पर्यटन से है, आतंकवाद से नहीं। सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 35ए और अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

सिक्किम में सभी अधिसूचनाएं नेपाली और अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित होंगी

गंगटोक/भाषा। सिक्किम सरकार ने बुधवार से अपने सभी राजपत्रों और अधिसूचनाओं में अंग्रेजी के साथ-साथ नेपाली का एक आधिकारिक भाषा के रूप में उपयोग शुरू कर दिया है। यह घोषणा मंगलवार को नेपाली भाषा मान्यता दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने की। एक अधिसूचना में राज्य सरकार ने कहा कि सिक्किम राजभाषा अधिनियम, 1977, नेपाली भाषा को राज्य की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता देता है। अभी तक सभी अधिसूचनाएं केवल अंग्रेजी में प्रकाशित की जाती थीं।

राजनीति नहीं छोड़ूंगा, नई पार्टी बनाने को तैयार हूं : चंपई सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि वह राजनीति नहीं छोड़ेंगे और नया सियासी दल बनाने का विकल्प उनके लिए हमेशा खुला है। सोरेन ने कहा कि वह झामुमो नेताओं के हाथों अपमान का सामना करने के बाद अपनी योजनाओं पर अडिग हैं। सोरेन ने दावा किया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को समर्पित कर दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता ने मंगलवार आधी रात के बाद सरायकेला-खरसावां जिले में अपने पैतृक गांव झिलिंगोरा पहुंचने के तुरंत बाद कहा, यह मेरे जीवन का नया अध्याय है। मैं राजनीति नहीं छोड़ूंगा, क्योंकि मुझे अपने समर्थकों से बहुत प्यार और समर्थन मिला है। अध्याय (राजनीति छोड़ने का) समाप्त हो गया है, मैं एक नया संगठन बना सकता हूं। सोरेन (67) को 1990 के दशक में पृथक राज्य बनाने की लड़ाई में उनके योगदान के लिए झारखंड का टाइगर उपनाम दिया गया था। झारखंड को 2000 में बिहार के दक्षिणी भाग से अलग करके बनाया गया था।

बांग्लादेश की जेलों में 37 साल बिताने के बाद घर लौटा त्रिपुरा का एक व्यक्ति

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले का रहने वाला एक व्यक्ति बरसों पहले अपने रिश्तेदार से मिलने बांग्लादेश गया था और तब उसे रत्तीभर अंदाजा नहीं था कि यह यात्रा उसकी जिंदगी का दंश बन जाएगी एवं वह भारत में अपने परिवार के पास लौटने के लिए तरस जाएगा। शाहजहां (62) बांग्लादेश की जेलों में 37 साल बिताने के बाद अब घर लौटे हैं। वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कर्मियों की मदद से श्रीमंतपुर 'लैंड कस्टम्स' स्टेशन के रास्ते भारत लौटे। अधिकारियों ने बताया कि सोनमुरा उपमंडल के सीमावर्ती रबींद्रनगर गांव के निवासी शाहजहां 1988 में बांग्लादेश के कोमिला में अपने ससुराल गये थे। उनके अनुसार उस दौरान वहां पुलिस ने उनके रिश्तेदार के घर पर छापा मारा एवं पड़ोसी देश में गैरकानूनी रूप से प्रवेश करने को लेकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। शाहजहां ने पत्रकारों को बताया, ''25 साल की उम्र में, मुझे कोमिला में एक अदालत ने 11 साल की जेल की सजा सुनायी। सजा पूरी करने के बाद भी मुझे रिहा नहीं किया गया तथा मैंने हिरासत में 26 और साल बिताए, घर लौटने की अनुमति दिए जाने से पहले कुल मिलाकर मैंने 37 साल जेल में बिताए।''

मौजूदा 151 सांसदों, विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले, 16 पर दुष्कर्म का आरोप: एडीआर

नई दिल्ली/भाषा। देश में 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। इनमें पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे अधिक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की। जिसके बाद महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों और 135 विधायकों को चिह्नित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है, जिसके बाद आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 सांसद-विधायक हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या तथा ठाणे में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक वापस लिया जाए, आरएसएस के एजेंडे पर चल रहे नीतीश : जावेद

नई दिल्ली/भाषा। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति के सदस्य और कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने इस समिति की पहली बैठक से एक दिन पहले बुधवार को कहा कि इस विधेयक को वापस लिया जाना चाहिए क्योंकि ''यह सिर्फ गरीबों की जमीन हथियाने और सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने का प्रयास है।'' उन्होंने यह दावा भी किया कि जनता दल (यूनाइटेड) और इसके नेता नीतीश कुमार इस मामले पर खुलकर सरकार के साथ हैं तथा वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एजेंडे पर चल रहे हैं।

बैठक से एक दिन पहले जावेद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''वक्फ धार्मिक मकसद और गरीबों के कल्याण के लिए होता है। ये (सरकार) एक तरीका ढूंढना चाहते हैं कि गरीब मुसलमानों की जमीन हथियाई जा सके। इनकी नीयत साफ नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''जो सच्चाई है वो (बैठक में) कहेंगे। हमारी तरफ से यह बात रखी जाएगी कि संविधान हमें इजाजत देता है कि हम गरीबों के लिए जमीन दान में दे सकते हैं और उसकी हिफाजत कर सकते हैं तथा सरकार का इन संपत्तियों को लेना जायज नहीं है।''

न्याय को पुलिस और प्रशासन की मर्जी का मोहताज नहीं बनाया जा सकता: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के बदलापुर की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की मर्जी का मोहताज नहीं बनाया जा सकता।

राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ''प. बंगाल, उप्र, बिहार के बाद महाराष्ट्र में भी बेटियों के खिलाफ शर्मनाक अपराध सोचने पर मजबूर करते हैं कि हम एक समाज के तौर पर कहां जा रहे हैं? बदलापुर में दो मासूमों के साथ हुए अपराध के बाद उनको इंसाफ दिलाने के लिए पहला कदम तब तक नहीं उठाया गया जब तक जनता 'न्याय की गुहार' करते हुए सड़क पर नहीं आ गई।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या अब प्राथमिकी तक दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाना तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है?'' राहुल गांधी ने कहा कि न्याय दिलाने से अधिक प्रयास अपराध छिपाने के लिए किया जाता है, जिसका सबसे बड़ा शिकार महिलाएं और कमज़ोर वर्ग के लोग होते हैं। प्राथमिकी दर्ज नहीं होना न सिर्फ पीड़ितों को हतोत्साहित करता है बल्कि अपराधियों का हौसला भी बढ़ाता है। राहुल गांधी ने कहा, ''सभी सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की मर्जी का मोहताज नहीं बनाया जा सकता।''

प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय लाभ अफ्रीका को आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि अफ्रीका के प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय लाभ और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र के जरिये बढ़ता आर्थिक एकीकरण इसे निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियां और इसका अंतरिक्ष कार्यक्रम अफ्रीका के लिए हमारे साथ सहयोग बढ़ाने के लिए बड़ा अवसर प्रदान करता है।

धनखड़ ने भारतीय उद्योग परिसंघ के भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, '' अफ्रीका के प्राकृतिक संसाधन, जनसांख्यिकीय लाभ और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र के जरिये बढ़ता आर्थिक एकीकरण इसे निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत की 'ड्यूटी फ्री टैरिफ प्रेफरेंस' (डीएफटीपी) योजना आपसी विकास के लिए अपार अवसर प्रदान करती है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत 85 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ अफ्रीका का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। उन्होंने कहा कि भारत ने 43 अफ्रीकी देशों में 206 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 12.37 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण, लगातार कांस्य पदक जीतना बड़ी उपलब्धि : हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि कई मौके बनाने के बावजूद पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को बड़ी उपलब्धि करार दिया।

भारत ने पेरिस में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता और इस तरह से टोक्यो ओलंपिक खेलों का प्रदर्शन दोहराया। इससे पहले सेमीफाइनल में उसे मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम का बुधवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया और ओडिशा सरकार ने उसे सम्मानित किया। हरमनप्रीत ने इस अवसर पर पीटीआई वीडियो से कहा, ''जर्मनी के खिलाफ मैच बेहद करीबी था। हमने कई मौके बनाए लेकिन उस दिन भाग्य हमारे साथ नहीं था और कुछ अवसरों पर हम चूक गए।'' उन्होंने कहा,''लेकिन मुझे लगता है कि कांस्य पदक जीतना भी बहुत महत्वपूर्ण था। यह टूर्नामेंट मैं हमारा आखिरी मैच था और मैच जीतने के बाद बहुत खुशी महसूस हो रही है। हमारी कोशिश थी कि हम अपना सपना (स्वर्ण जीतने का) पूरा करें लेकिन किसी तरह से किस्मत ने हमारा साथ नहीं दिया।'' हरमनप्रीत ने कहा,''हमारे पास कांस्य पदक जीतने का मौका था और हम जीत के लक्ष्य के साथ ही मैदान पर उतरे। हमने लगातार दो पदक जीते हैं और यह बड़ी उपलब्धि है।'''

भारतीय कप्तान ओडिशा में मिले स्वागत और सम्मान से बेहद खुश थे। उन्होंने कहा,'' हमें हर तरफ से प्यार और सम्मान मिल रहा है। जब भी टीम यहां आती है, चाहे वह किसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए हो या पदक जीतने के बाद, हमेशा अच्छा लगता है... हमें यहां बहुत सम्मान मिलता है।''

'मिजोरम में शरण लेने वाले शरणार्थियों का बायोमेट्रिक डेटा अभी एकत्र नहीं हुआ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के गृह मंत्री के सपदांगा ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि राज्य में शरण लेने वाले पड़ोसी देशों के शरणार्थियों का बायोमेट्रिक डेटा अब तक एकत्र नहीं हो पाया है।

विपक्षी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के विधायक रॉबर्ट रोमाविया रॉयटे के प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह मंत्री ने कहा कि इस मामले पर केंद्र के साथ चर्चा की जा रही है। गृह मंत्री ने कहा, ''राज्य सरकार शरणार्थियों के बायोमेट्रिक डेटा एकत्र करने के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय के साथ बातचीत कर रही है। सपदांगा ने कहा कि राज्य के गृह विभाग के रिकॉर्ड के मुताबिक, 13 अगस्त तक म्यांमा के 33,724 नागरिकों और बांग्लादेशी के जो समुदाय के 2,014 लोगों ने राज्य में शरण ली है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा मणिपुर से आंतरिक रूप से विस्थापित 7,999 लोगों ने भी राज्य में शरण ली है।

ओलंपिक में रजत पदक के बाद लुसाने डाइमंड लीग के लिए तैयार नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लुसाने/भाषा। पेरिस ओलंपिक में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के दो हफ्ते बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा गुरुवार को लुसाने डाइमंड लीग मीट में फिर भाग लेंगे और अगले महीने सत्रांत डाइमंड लीग ट्रॉफी को फिर से हासिल करने की कोशिश करेंगे। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से जूझ रहे नीरज ने आठ अगस्त को पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 26 साल के नीरज ने शनिवार को लुसाने में डायमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी जिसके कारण अब उनकी सर्जरी पर फैसला सत्र की समाप्ति के बाद होगा। नीरज 2022 में डाइमंड लीग चैंपियन थे और पिछले साल अमेरिका के यूजीन में 'विनर-टेक-ऑल' डाइमंड लीग फाइनल में चेक गणराज्य के याकूब वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। मौजूदा सत्र का डाइमंड लीग फाइनल 14 सितंबर को ब्रुसेल्स में होगा। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए उन्हें डाइमंड लीग मीटिंग सीरीज तालिका में शीर्ष छह में रहना होगा। पांच सितंबर को ज्यूरिख में एक और डाइमंड लीग प्रतियोगिता होनी है जिसमें पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी शामिल है। दस मई को दोहा डाइमंड लीग में वाडलेच के बाद दूसरे स्थान पर रहने से वह सात अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं।

आठ अगस्त को ओलंपिक फाइनल के बाद नीरज ने स्विट्जरलैंड में प्रशिक्षण शुरू कर दिया और चोट की समस्या के बावजूद इस सत्र को शानदार तरीके से समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। नीरज ने पिछले सप्ताह कहा था, ''मैं डाइमंड लीग से पहले प्रशिक्षण के लिए स्विट्जरलैंड आया। सौभाग्य से मेरी चोट गंभीर नहीं हुई क्योंकि मैंने उसका अतिरिक्त ध्यान रखा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अधिकतर अन्य एथलीटों की तरह अपना सत्र जारी रखने के बारे में सोचा। सत्र समाप्त होने में अभी एक महीना बाकी है। मैं अपने खाली समय में डॉक्टरों के पास जाऊंगा।'' नीरज का मुकाबला लुसाने में शीर्ष खिलाड़ियों से होगा जिसमें पेरिस ओलंपिक फाइनल में शीर्ष छह में जगह बनाने वाले पांच खिलाड़ी भी शामिल हैं।

यूटीटी से महिला खिलाड़ियों को काफी फायदा हुआ: मनिका बत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। देश की चोटी की महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा का मानना है कि अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) से भारतीय खिलाड़ियों विशेषकर महिला खिलाड़ियों को काफी फायदा हुआ।

मनिका और श्रीजा अकुला हाल ही में पेरिस में ओलंपिक एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थी। मनिका ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा, ''मुझे निजी तौर पर इससे काफी मदद मिली क्योंकि विभिन्न देशों के खिलाड़ी यूटीटी में खेलते हैं। हमें उनके खिलाफ और उनके साथ खेलने का मौका मिलता है।'' उन्होंने कहा,''यह वास्तव में मजेदार है और हम इसका आनंद लेते हैं। इसके बाद भारतीय टेबल टेनिस विशेषकर महिला टेबल टेनिस में काफी प्रगति हुई है। हम सभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमने यूटीटी की शुरुआत के बाद अपने खेल में काफी सुधार किया है।''

यूटीटी बुधवार से शुरू होगा। इस अवसर पर इसकी टीमें भी घोषित की गई जो इस प्रकार हैं:

अहमदाबाद एसजी पाइपर्स: मानुष शाह, बर्नाडिट स्ज़ोक्स (रोमानिया), लिलियन बार्डेट (फ्रांस), रीथ टेनिसन, पृथा वर्तिकार, जश मोदी।

चेन्नई लायंस: अचंता शरथ कमल, सकुरा मोरी (जापान), जूल्स रोलैंड (फ्रांस), पोयमंती बैस्या, मौमा दास, अभिनांध पीबी।

दबंग दिल्ली टीटीसी: साथियान जी, ओरावन परानांग (थाईलैंड), दीया चितले, एंड्रियास लेवेंको (ऑस्ट्रिया), यशांश मलिक, लक्षिता नारंग।

एथलीड गोवा चैलेंजर्स: हरमीत देसाई, यांग्ज़ी लियू (ऑस्ट्रेलिया), यशस्विनी घोरपड़े, सुधांशु ग्रोवर, सयाली वानी, मिहाई बोबोसिका (इटली)।

जयपुर पैट्रियट्स: चो सेउंगमिन (दक्षिण कोरिया), सुथासिनी सावेट्टाबुट (थाईलैंड), स्नेहित एसएफआर, रोनित भांजा, मौमिता दत्ता, नित्यश्री मणि।

पीबीजी बेंगलूरु स्मैशर्स: मनिका बत्रा, अल्वारो रोबल्स (स्पेन), लिली झांग (अमेरिका), जीत चंद्रा, तनीशा कोटेचा, अमलराज एंथोनी।

पुनेरी पलटन टेबल टेनिस: अयहिका मुखर्जी, नतालिया बाजोर (पोलैंड), जोआओ मोंटेइरो (पुर्तगाल), अंकुर भट्टाचार्जी, अनिर्बान घोष, याशिनी शिवशंकर।

यू मुंबा टीटी: मानव ठक्कर, सुतीर्था मुखर्जी, अरुणा कादरी (नाइजीरिया), आकाश पाल, काव्याश्री बस्कर, मारिया जिओ (स्पेन)।

सुविचार

ज़िंदगी में सफल वहीं हो पाता हैं, जो टूटे को बनाना और रूठे को मनाना जानता हैं!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मौन क्रांति

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल से स्कूल जाने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी होना उत्साहजनक है। इसमें भी विशेष सराहनीय बात यह है कि साइकिल चलाने में छात्राएं बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं। एक शोध में इसे 'मौन क्रांति' कहा गया है, जो बिल्कुल उचित है। छात्राओं द्वारा साइकिल चलाकर स्कूल जाना अपनेआप में एक बड़ी क्रांति है, जो कई संदेश भी देती है। पहला संदेश यह कि छात्राओं की शिक्षा तक पहुंच ज्यादा आसान हुई है। समाज इस बात को समझ चुका है कि शिक्षा बेटा और बेटी, दोनों के लिए जरूरी है। दूसरा संदेश यह कि साइकिल ने छात्राओं को सशक्त किया है। प्राय: ग्रामीण क्षेत्रों में कई रूढ़ियां प्रचलित होती हैं। आज भी कई इलाकों में महिलाओं को वाहन चलाते देखना अचंभे से कम नहीं माना जाता। ऐसे में साइकिल आजादी का प्रतीक बन गई है। तीसरा संदेश यह कि साइकिल से शुरू हुआ यह सफर भविष्य में महिलाओं को और सशक्त करेगा। आज जो छात्राएं साइकिल चलाकर स्कूल जा रही हैं, वहां विज्ञान की पुस्तक में अंतरिक्ष और उपग्रहों के बारे में पढ़ रही हैं, भविष्य में उन्हीं में से इसरो जैसे संस्थान में वैज्ञानिक बनेंगी। उनकी कहानियां अन्य छात्र-छात्राओं को प्रेरित करेंगी। इसलिए गांव की गलियों से शुरू हुई इस 'मौन क्रांति' का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली और नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के शोधकर्ताओं का यह कहना कि 'उन्हें इस बात के भी पुख्ता सबूत मिले हैं कि साइकिल वितरण योजनाओं (बीडीएस) ने उन राज्यों में साइकिल चलाने को बढ़ावा देने में मदद की है, जहां इन्हें लागू किया गया और इसकी सबसे बड़ी लाभार्थी ग्रामीण लड़कियां हैं', भी उक्त निष्कर्ष पर मुहर लगाता है।

सरकारों को चाहिए कि वे इन योजनाओं में अधिकाधिक छात्राओं को शामिल करें। जब बेटियों को साइकिल चलाने का मौका मिलेगा तो उनके लिए प्रगति के द्वार खुलते जाएंगे। साल 2020 में जब कोरोना महामारी फैल रही थी और रोजगार के सिलसिले में ग्रामीण इलाकों से शहरों में जाकर रहने वाले लोगों के पास अपने 'घर' लौटने के लिए साधन बहुत मुश्किल से मिल रहे थे, तब बिहार की एक बेटी ज्योति कुमारी अपने बीमार पिता को साइकिल पर बैठाकर गांव ले आई थी। उसने गुरुग्राम से दरभंगा जिले में स्थित अपने घर तक पहुंचने के लिए लगभग 1,200 किमी का सफर हफ्तेभर में तय कर दिया था। उसकी हिम्मत की देश-दुनिया में बहुत तारीफ हुई थी। कोरोना काल बहुत कष्टदायक था, लेकिन उस दौरान ज्योति और उनके पिता के लिए साइकिल बड़ा सहारा बनी। अगर ज्योति को साइकिल चलाना नहीं आता तो गुरुग्राम में उनके लिए मुश्किलें बढ़ सकती थीं, क्योंकि पिता एक हादसे में घायल हो गए थे और जब वे मकान किराया नहीं दे सके तो उन्हें घर से चले जाने के लिए कह दिया गया था। इसी तरह छत्तीसगढ़ के बस्तर में विजयलक्ष्मी अरोड़ा ने 80 साल से ज्यादा उम्र के बावजूद नियमित साइकिल चलाकर लोगों को सेहत के लिए जागरूक किया था। साइकिल चलाना एक ऐसा व्यायाम है, जो कई बीमारियों को दूर रखता है। 'जर्नल ऑफ ट्रांसपोर्ट जियोग्राफी' में प्रकाशित शोध इस बात की पुष्टि करता है कि अधिकतर राज्यों में लड़के और लड़कियों के बीच साइकिल चलाने की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है, जिसमें लड़कियों के बीच अधिक वृद्धि हुई है। लड़कियों के बीच साइकिल चलाने में सबसे ज्यादा वृद्धि बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में देखी गई, जहां यह स्तर आठ गुना बढ़ा हुआ पाया गया। यह बताता है कि साइकिल की वजह से बेटियों के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हो रही है। इससे लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिला है। शिक्षा और आत्मविश्वास की यह साइकिल चलती रहे, प्रगति के पथ पर आगे बढ़ती रहे।

ट्वीटर टॉक

इंदौर में अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्रीविद्याधाम पीठाधीश्वर स्वामी श्री चिन्मयानंद सरवस्ती जी महाराज के दर्शन पाकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। संतों की झलक मिल जाना भी पुण्य प्राप्ति है। सनातन समाज की चिरायु आभा महासंतों के प्रताप का प्रभाव है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

संसदीय क्षेत्र कोटा-बून्दी प्रवास के दौरान कोरोना पीड़ित परिवारों की बहनों व महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। ये सभी बहनें मेरा परिवार है, एक भाई के नाते मेरा दायित्व है कि हमेशा इनके सुख-दुख में भागीदार बन सकूं ।

-ओम बिरला

आज सचिवालय में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। भाजपा सरकार क्षेत्र के साथ ही संपूर्ण प्रदेश के विकास को नई रफ़्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश को अग्रणी बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ अग्रसर है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

धैर्य का उजाला

एक दिन अन्याय और गुलामी से व्यथित होकर बिपिन चंद्र पाल ने अपना गांव छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने चुपचाप अपना सामान बांधा और रात के अंधेरे में घर से निकल पड़े। उन्हें नहीं पता था कि वे कहां जा रहे हैं, वे बस चलते रहे। सुबह होने पर वे एक नदी के किनारे पहुंचे। वहां उन्होंने एक बूढ़े साधु को देखा जो दीपक जलाकर बैठे थे। उन्होंने पूछा, 'महात्मा, आप इस रोशनी में दीपक क्यों जला रहे हैं?' साधु ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बेटा, यह दीपक मुझे याद दिलाता है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, एक छोटी-सी लौ उसे भेद सकती है।' इस बात ने उन्हें बहुत प्रभावित किया।

उन्होंने साधु से पूछा, 'तो क्या मैं भी इस देश का अंधकार दूर कर सकता हूं?' साधु ने कहा, 'जरूर! लेकिन याद रखना, दीपक जलाए रखने के लिए धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता होती है।' इस घटना ने उनके जीवन को एक नई दिशा दी और वे स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हो गए। उन्होंने अपने लेखन और भाषणों के माध्यम से लोगों को जाग्रत करने का काम किया।

सामयिक

महिलाओं की सुरक्षा पर उठते सवाल

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

आज जब लड़कियां ज्ञान की रोशनी पा कर तमाम पर्दों को चीरती हुई आसमां को छूने के लिए निकल पड़ी हैं तो फिर उन पर बलात्कार जैसे धारदार हथियार से सिर्फ़ हमला ही नहीं किया जा रहा बल्कि उसकी हत्या तक की जा रही है। कैसा है यह हमारा समाज और कानून जहां ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी लड़की, बच्ची के साथ कोई जघन्य बलात्कार और हत्या की घटना न होती हो। महिलाओं के सशक्तिकरण में उनके खिलाफ हो रही हिंसा उनके सामने रुकावट का पत्थर बन कर खड़ा है। हाल-फिलहाल की रेप की घटनाओं पर गौर करें तो एक बात नई दिख रही है वो यह कि अभी जो भी रेप की घटनाएं हो रहीं हैं, उनमें से अत्यधिक में साक्ष्य मिटाने के लिए लड़की को मार दिया जा रहा है या उसके साथ बर्बरता की जा रही है जो कि अपराध को और जघन्य बना रहा है और यह सब निर्भया कांड के बाद से ही ज्यादातर दिख रहा है। इसका कारण कानून में हुए बदलाव को कहा जा सकता है, क्योंकि यह रेपिस्ट खुद को बचाने और सबूत मिटाने के लिए कर रहे हैं। तो क्या कठोर कानून मात्र से रेप की घटना को नियंत्रित नही किया जा सका है क्योंकि रेप के बाद अब हत्या भी होने लगी है। बड़ा प्रश्न यह है कि फिर इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है?

हाल फ़िलहाल में देश मे कोलकाता, बिहार, उत्तराखंड में जघन्य अपराध हो चुके है जो सब दर्दनाक है। कोलकाता और मुजफ्फरपुर के घटनाओं को तो शब्दों का रूप देने में रूह कांप जा रहा है। भारत में महिलाओं के साथ बढ़ते रेप के मामलों को लेकर समाज में गहरी चिंता व्याप्त है। रेप जैसी घटनाएं महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इस समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो(एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। वर्ष 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में कुल 31,677 रेप के मामले दर्ज किए गए, जो प्रति दिन औसतन 86 मामले होते हैं। यह संख्या चिंताजनक है, क्योंकि यह दिखाता है कि कानून और सुरक्षा उपायों के बावजूद महिलाएं असुरक्षित हैं। कुछ राज्यों में स्थिति और भी भयावह है। उदाहरण के लिए, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में रेप के मामले सबसे ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इन राज्यों में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति और भी गंभीर है। महिलाओं के खिलाफ रेप जैसी घटनाओं के बढ़ने के कई कारणों को देखा जा सकता है। जैसे कि आज भी भारतीय समाज में महिलाओं को लेकर पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण गहराई से जड़ें जमाए हुए है। महिलाओं को कमजोर और पुरुषों से कमतर समझा जाता है, जिसके कारण उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएं होती हैं।

देश की कमजोर कानूनी व्यवस्था ने भी उसमें आग में घी का काम किया है। भारत में रेप के खिलाफ कड़े कानून मौजूद हैं, लेकिन इन कानूनों का प्रभावी रूप से लागू न हो पाना एक बड़ा कारण है। कई मामलों में अपराधियों को सजा मिलने में देरी होती है, जिससे महिलाओं के प्रति हिंसा करने वालों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। अपराधियों को कानून का भय नहीं है जिसके कारण क्राइम करने में हिचक नहीं रहे हैं। कुछ हद तक इसमें सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी जिम्मेदार है। समाज में महिलाओं के खिलाफ हिंसा को लेकर एक प्रकार की चुप्पी बनी रहती है। पीड़िताओं को अक्सर शर्म और समाज के डर से अपनी आवाज उठाने में संकोच होता है, जिसके चलते कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाती।

अब जबकि यह अपराध समाज को बर्बाद कर दिया है और इसने लड़कियों के जीवन पर ही ब्रेक लगा दिया है तो शक्ति के साथ इससे निपटने का उपाय करना होगा। इसके लिए कुछ कठोर कदम उठाने की जरूरत है। कानूनों को और अधिक सख्त बनाया जाना चाहिए और उन्हें सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। रेप के मामलों में तेजी से न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अदालतों का गठन किया जाना चाहिए। केसों के निपटान का एक एक तय समय सीमा निर्धारित किया जाए। इसका सुधार सामाजिक स्तर पर भी करने की जरूरत है। जिसकी शुरुआत हमारे घर से हो। समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करने के लिए जागरूकता अभियानों की जरूरत है। स्कूलों और कॉलेजों में लिंग समानता पर विशेष कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। एक मुहिम अगर चले जिसमें देश के हर पैरेंटस उसमें महिलायें ही आगे आये जैसे कि हर बहन अपने भाई जो, मां अपने बेटों को और बीबी अपने पति को इसके लिए मानसिक रूप से उन्हें समझाए कि आपके भी घर मे महिलाएं है तो आप अगर उनका सम्मान करोगी तो ही इससे निजात मिलेगी। क्योंकि जो लोग ये अपराध करते है उनके भी घर में महिलाएं है। उन्हें घर से बेदखल और सामाजिक बहिष्कार जैसे सज़ा का भी भय देना होगा।

सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने, महिलाओं के लिए हेल्पलाइन सेवाओं को और मजबूत करने, और पुलिस बल में महिलाओं की संख्या बढ़ाने जैसे कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाना चाहिए। जब महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी, तो वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ी हो सकेंगी। इसके अतिरिक्त जो घटना हो चुकी है उसके लिए महिलाओं को फिर से नई जिंदगी देने के लिए भी मुहिम चलाने की जरूरत है। रेप की शिकार महिलाओं को मानसिक और भावनात्मक सहायता देने के लिए काउंसलिंग सेवाओं का प्रावधान किया जाना चाहिए। इससे वे अपने अनुभवों से उबरकर जीवन में आगे बढ़ सकेंगी। महिलाओं के साथ हो रहे रेप के मामलों की बढ़ती संख्या भारत के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसके समाधान के लिए कानून, समाज और सरकार को मिलकर काम करना होगा। कानूनों को सख्ती से लागू करना, समाज में जागरूकता फैलाना, और महिलाओं को सशक्त बनाना इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम हैं। यदि हम इन मुद्दों पर गंभीरता से काम करते हैं, तो निश्चित रूप से एक ऐसा समाज बनाया जा सकता है जहां महिलाएं सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।

मंथन

विकराल हुई मुख की बीमारियां

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

एक हालिया अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया है मुंह का कैंसर बेहद खतरनाक है। अनुमान है कि पूरी दुनिया में हर घंटे एक इंसान की माउथ कैंसर से मौत हो रही है। ज्यादातर मुंह के कैंसर का कारण तंबाकू होता है। इसके अलावा कुछ लोगों में पुराने घाव या छालों की वजह से भी मुंह का कैंसर हो सकता है। तंबाकू, सिगरेट, सिगार, हुक्का पीने वालों में ओरल कैंसर का खतरा करीब 60 प्रतिशत ज्यादा होता है। गुटखा, खैनी, तंबाकू सिगरेट, शराब, और पान मसाला मुख रोगों के लिए बेहद घातक और खतरनाक साबित हो रहे है। इनके सेवन से मुंह में जलन, छाले, मुंह के कम खुलने की समस्या आम है। मुंह के छाले यानी माउथ अल्सर यूं तो एक बहुत ही सामान्य परेशानी है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना जानलेवा भी साबित हो सकता है, क्योंकि यह किसी गंभीर बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। भारत में बच्चे से बुजुर्ग तक को सरे आम इनका सेवन करते देखा जा सकता है। यह शोक अमीर से गरीब तक सभी आयु वर्ग के लोगों में है। हमारे देश में लाखों लोग आज मुख की विभिन्न बीमारियों से ग्रसित है। यह बीमारी धीरे धीरे कैंसर का रूप ले रही है जिनका इलाज असाध्य हो चला है। आईसीएमआर की रिपोर्ट को देखें तो मुख के कैंसर से मरने वालों की तादाद में हर साल वृद्धि हो रही है जो हमारे लिए बेहद चिंतनीय है। यह स्थिति तो तब है जब अनेक राज्य सरकारों ने अपने यहाँ गुटखा और पान मसाला पर रोक लगा रखी है।

भारत में मुंह के कैंसर के मामले सबसे अधिक देखने को मिलते हैं। यह कैंसर पुरुषों को ज्यादा होता है। मुंह के कैंसर की पहचान सामान्य जांच से हो जाती है। तम्बाकू के गुटके के रूप में खाने से सफेद दाग, मुँह का नहीं खुल पाना तथा कैंसर रोग भी हो सकता है। लगातार गुटखे या तम्बाकू का सेवन आपके दांत को ढीले और कमजोर बना देते हैं बैक्टीरिया दांतों में जगह बना लेते हैं जिससे दांतों का रंग बदलने लगता है और धीरे-धीरे दांत गलने भी लगते हैं। तम्बाकू या गुटखा लगातार खाने वालों की जीभ, जबड़ों और गालों के अंदर संसेटिव सफेद पेच बनने लगते हैं और उसी से मुंह में कैंसर की शुरुआत होती है जिसके बाद धीरे-धीरे मुंह का खुलना बंद हो जाता है और मुंह में कैंसर फैल जाता है। मुँह के कैंसर का अर्थ है मौखिक गुहा (होठों से शुरू होकर पीछे टॉन्सिल तक का हिस्सा) अथवा ओरोफैरिन्क्स (गले का अंदरूनी हिस्सा) के ऊतकों में होने वाला कैंसर। जब शरीर के ओरल कैविटी के किसी भी भाग में कैंसर होता है तो इसे ओरल कैंसर कहा जाता है। ओरल कैविटी में होंठ, गाल, लार ग्रंथिया, कोमल व हार्ड तालू, यूवुला, मसूड़ों, टॉन्सिल, जीभ और जीभ के अंदर का हिस्सा आते हैं। इस कैंसर के होने का कारण ओरल कैविटी के भागों में कोशिकाओं की अनियमित वृद्धि होती है। ओरल कैंसर होने का जोखिम उम्र के साथ बढ़ता है। ओरल कैंसर आज हमारे देश की एक प्रमुख समस्या के रूप में बीमारी उभरी है सबसे ज्यादा पुरुषों में पाया जाता है इसका मुख्य कारण पान मसाला, तंबाकू बीड़ी सिगरेट का प्रयोग करना है। एल्कोहल, सुपारी, मुंह की ढंग से सफाई ना करना और खानपान भी इसका कारण है। मुंह के अंदर गाल और जीभ में सफेद दाने होना, गुटखा और पान मसाला खाने वाले का मुंह दांत के बीच चार सेमी से कम खुलना और मुंह का कोई भी छाला या घाव इलाज के बाद भी ठीक न होना। डिब्बाबंद भोजन, तंबाकू का प्रचलन, पाउच और विभिन्न तरीके से तंबाकू की जो वैरायटी मिल रही है, उससे नई युवा पीढ़ी ज्यादा ग्रसित है। तंबाकू और पान-मसाले विभिन्न कैमिकल मिले होते हैं, उससे मुँह के भीतर की स्थिति विकट होती चली जाती है। पहली स्टेज में फाइब्रोसिस का शिकार हो जाता है। यह स्थिति प्री-कैंसर की होती है। इस स्थिति में मरीज का उपचार और निदान संभव है। फाइब्रोसिस के लक्षण यह होते हैं कि मुँह के भीतर कुछ सफेद स्पॉट आ जाते हैं या मुँह में जलन होने लगती है।

मुख से संबंधित ज्यादातर बीमारी खान-पान व खासकर नशे के कारण होती है। भारत में किए गए अनुसन्धानों से पता चला है कि मुख में होने वाले कैंसर का प्रधान कारण खैनी अथवा जीभ के नीचे रखनी जाने वाली, चबाने वाली तंबाकू है। इसी प्रकार ऊपरी भाग में, जीभ में और पीठ में होने वाला कैंसर बीड़ी पीने के कारण होता है। सिगरेट गले के निचले भाग में कैंसर करती है और आंतड़ियों के कैंसर की भी संभावना पैदा कर देती है। यदि हमें एक स्वस्थ एवं खुशहाल जिन्दगी हासिल करनी है तो हमें तम्बाकू का प्रयोग हर हालत में छोड़ना ही होगा। ऐसा करना कोई मुश्किल काम नहीं है। तंबाकू का प्रयोग दृढ़ निश्चय करके ही छोड़ा जा सकता है।

नजरिया

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

केन्द्र सरकार के विभिन्नविभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधीजी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विदलाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया पीछे के दरवाजे से भर्ती है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे ? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी ?

अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थी: संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना। आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खरगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है। इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक ज़िम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा। (लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

मुंबई में बुधवार को शिवसेना की महिला कार्यकर्ता (यूबीटी) ने बदलापुर में एक स्कूल में सफाई कर्मचारी द्वारा दो चार वर्षीय लड़कियों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

बांग्लादेश में अशांति के कारण आतिथ्य क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित, होटलों में खाली पड़े हैं कमरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में हाल ही में एक महीने से अधिक समय तक हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने राजधानी ढाका में आतिथ्य क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है और यहां कई महंगे और किफायती होटलों के अधिकतर कमरे खाली पड़े हैं।

ढाका बांग्लादेश की राजनीतिक और वित्तीय राजधानी है और अंतरराष्ट्रीय होटल शृंखलाओं द्वारा प्रबंधित कई बड़े होटल यहां स्थित हैं जो बड़े पैमाने पर कारोबारी यात्रियों को सेवाएं प्रदान करते हैं।

इनमें से कई होटल के वरिष्ठ प्रबंधकों का कहना है कि अशांति का ''सबसे ज्यादा असर'' जुलाई में महसूस किया गया जब बड़ी संख्या में बुकिंग रद्द हुई जिसके परिणामस्वरूप ''भारी वित्तीय नुकसान'' हुआ।

'पीटीआई' ने पॉश इलाकों में स्थित कुछ महंगे और किफायती होटल के कर्मचारियों से बातचीत की और उन सभी ने ढाका में आतिथ्य क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की एक निराशाजनक तस्वीर पेश की। एक महंगे होटल के बिक्री विभाग में वरिष्ठ प्रबंधक ने नाम न उजागर करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''स्थिति अब थोड़ी बेहतर है लेकिन हमारे क्षेत्र में सामान्य स्थिति से कोसों दूर है क्योंकि अधिकतर कमरे खाली पड़े हैं। हालांकि, कारोबारी यात्रियों का एक वर्ग अशांति के बाद अब भी आ रहा है लेकिन कमरों में ठहरने वाले अतिथियों की संख्या में भारी गिरावट आयी है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास विभिन्न श्रेणियों में 150 कमरे हैं। अभी करीब 35 कमरे ही भरे हुए हैं। यह संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।'' उन्होंने इलाके में चार-पांच अगस्त की स्थिति को याद किया जब अराजकता चरम पर पहुंच गयी थी जिसके कारण बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था और बांग्लादेश में संकट पैदा हो गया था।

हालात बिगड़ने पर होटल प्रशासन को अपनी महिला कर्मचारियों को चार-पांच अगस्त को घर पर ही रहने को कहना पड़ा था जबकि पुरुष कर्मचारियों के ठहरने की व्यवस्था होटल परिसर में ही की गयी थी।

पांच अगस्त को हसीना सरकार गिरने वाले दिन आयी चुनौतियों पर पांच सितारा होटल के वरिष्ठ प्रबंधक ने कहा कि उस दिन अतिथियों में जर्मनी, रूस, स्विटजरलैंड, भारत और बांग्लादेश के नागरिक शामिल थे और होटल में कूटनीतिक समुदाय के कुछ सदस्य भी थे। उन्होंने कहा, ''हमने होटल सील करके उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और किसी को भी बाहर जाने या अंदर आने नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों ने होटल इमारत तक मार्च भी किया लेकिन ''हमारी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।''

अन्य होटल के कर्मचारियों ने भी ऐसी ही कहानी बयां की।

इनमें से एक आलीशान होटल में काम करने वाले एक भारतीय नागरिक ने मंगलवार शाम को बताया कि उन्हें ''अभी तक कोई समस्या नहीं हुई है'' और इसलिए वह ढाका में ही रुके हुए हैं।

ढाका में स्थित किफायती या तीन सितारा होटलों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। गुलशन इलाके में करीब 25 साल पुराने होटल लेक कैसल में 19 अगस्त तक महज ''छह कमरे बुक हुए।''

होटल के एक वरिष्ठ प्रबंधक ने कहा, ''हमारे पास सुइट समेत 71 कमरे हैं लेकिन अतिथि नहीं आ रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि हालात में सुधार आएगा। इससे हमारे कामकाज पर असर पड़ा है।''

आतिथ्य बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख घटक है और इसका मुख्य केंद्र होने के नाते ढाका वर्तमान स्थिति का प्रभाव झेल रहा है।

कांगो में गत एक सप्ताह में 'मंकीपॉक्स' के एक हजार से अधिक नए मामले

केपटाउन/एपी। अफ्रीकी देश कांगो में मंगलवार को समाप्त हुए सप्ताह में एक हजार से अधिक मंकीपॉक्स के नए मामले सामने आए हैं। वहीं, अफ्रीकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने महाद्वीप पर इसके ''बढ़ते'' खतरे से लड़ने में मदद के लिए अत्यंत आवश्यक टीकों की मांग की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले ही अफ्रीका में प्रकोप को वैश्विक आपातकाल घोषित कर चुका है। मंकीपॉक्स वायरस के उसी परिवार से संबंधित है जिनसे चेचक होता है, लेकिन यह बुखार, ठंड लगना और शरीर में दर्द जैसे हल्के लक्षण पैदा करता है। यह अधिकतर यौन संबंध सहित त्वचा से त्वचा के नजदीकी संपर्क से फैलता है। ज्यादा गंभीर मामलों वाले लोगों के चेहरे, हाथ, छाती और जननांगों पर फोड़े हो सकते हैं। अफ्रीका के 54 देशों में से 12 देशों में मंकीपॉक्स के मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि कांगो में इस साल अब तक सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। अफ्रीका रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (अफ्रीका सीडीसी)ने बताया कि 2024 में कुल 18,910 मामलों में से 94 प्रतिशत या 17,794 मामले अकेले कांगो में सामने आए हैं। केंद्र के मुताबिक इस साल इस बीमारी से 541 लोगों की मौत हुई है जिनमें से 535 मौतें अकेले कांगो में हुई है।

ये आंकड़े संभवतः कम आंके गए हैं, क्योंकि कांगो में पांच में से केवल एक संदिग्ध मामले की ही 'मंकीपॉक्स' के लिए जांच की जा रही है। अफ्रीका सीडीसी के महानिदेशक डॉ. जीन कासेया ने कहा कि कई प्रभावित अफ्रीकी देशों में परीक्षण और निगरानी क्षमताएं सीमित हैं।

अफ्रीका सीडीसी द्वारा मंगलवार देर रात उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात दिनों में अफ्रीका में 1,405 नए मामलों में से 1,030 मामले कांगो में दर्ज किए गए। अफ्रीका में 'मंकीपॉक्स' के बढ़ते मामलों तथा कांगो में अधिक आसानी से फैलने में सक्षम वायरस के एक नए प्रकार की पहचान के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह इसे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया।

श्रीराम प्रॉपर्टीज अपनी आमदनी तीन गुना तक पहुंचाने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रियल एस्टेट कंपनी श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2026-27 तक अपना राजस्व तीन गुना कर तीन हजार रुपये पर पहुंचाने का लक्ष्य है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि वृद्धि का नया चरण शुरू करते हुए उसका लक्ष्य 2026-27 तक बिक्री बुकिंग दोगुनी कर पांच हजार रुपये करने का है।

कंपनी ने एक नई ब्रांड पहचान का अनावरण किया है। इसका उद्देश्य ग्राहकों के बीच श्रीराम की धारणा को 'बदलना' है, साथ ही भविष्य में बेहतर ग्राहक संतुष्टि के लिए अपने ब्रांड और प्रतिष्ठा को बढ़ाना है। श्रीराम प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में अपने परिचालन के 25वें वर्ष में प्रवेश किया है।

श्रीराम प्रॉपर्टीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मुरली मलयप्पम ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम अपने परिचालन के 25वें वर्ष में प्रवेश करते हुए एक नई पहचान के साथ मिशन पर आगे बढ़ रहे हैं। इससे हमें अपनी खुद की पहचान बनाने और अगली पीढ़ी के खरीदारों के बीच भरोसेमंद श्रीराम ब्रांड को ऊपर उठाने और फिर से स्थापित करने का मौका मिलेगा। मुरली ने कहा कि हमने जो 25 साल में हासिल किया है, उसे हम अगले सात से 10 वर्ष में प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी पुणे के रियल एस्टेट बाजार में उतर रही है और जल्द ही एक परियोजना की घोषणा करेगी। कंपनी अन्य प्रमुख संपत्ति बाजारों में उतरने के लिए भी अवसर की तलाश कर रही है।

पुरुषों में भी होती है जैविक घड़ी, 50 वर्ष से अधिक उम्र में प्रजनन क्षमता में कमी

वेलिंगटन। हम महिलाओं की जैविक घड़ी के बारे में बहुत कुछ सुनते हैं और कैसे उम्र गर्भधारण की संभावना को प्रभावित करती है। नए शोध से पता चलता है कि पुरुषों की प्रजनन क्षमता भी उम्र से प्रभावित होती है। जब पुरुष की उम्र 50 से अधिक हो, तो उसकी पत्नी को गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। 2011 और 2022 के बीच अमेरिका में चार करोड़ 60 लाख से अधिक जन्मों के डेटा में 30 साल के पिता की तुलना 50 साल के पिता से की गई।

मां की उम्र और गर्भावस्था के परिणामों को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए, शोधकर्ताओं ने पाया कि माता-पिता की उम्र में हर दस साल की वृद्धि अधिक जटिलताओं से जुड़ी हुई थी।

शोधकर्ताओं ने पाया कि उन जोड़ों की तुलना में जहां पिता की उम्र 30-39 थी, उन जोड़ों की तुलना में जहां पिता की उम्र 50 के आसपास थी, समय से पहले जन्म का जोखिम 16% बढ़ गया था जन्म के समय कम वजन का खतरा 14% बढ़ गया अपने युवा समकक्षों की तुलना में अधिक उम्र के पिताओं द्वारा गर्भधारण के लिए आईवीएफ सहित सहायक प्रजनन तकनीक का उपयोग करने की संभावना दोगुनी थी।

इस अमेरिकी अध्ययन में, सभी पिताओं की औसत आयु 2011 में 30.8 वर्ष से बढ़कर 2022 में 32.1 वर्ष हो गई। उसी अवधि में, बच्चे पैदा करने वाले 50 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पुरुषों का अनुपात 1.1% से बढ़कर 1.3% हो गया। हम नहीं जानते कि ऑस्ट्रेलिया में बच्चों का पिता बनने वाले 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों का अनुपात कितना है, लेकिन डेटा से पता चलता है कि पिता की औसत आयु में वृद्धि हुई है। 1975 में ऑस्ट्रेलियाई पिताओं की औसत आयु 28.6 वर्ष थी। यह 2022 में बढ़कर 33.7 वर्ष हो गया।

जैसा कि हम सेलिब्रिटी पिताओं की मीडिया रिपोर्टों से जानते हैं, पुरुष युवावस्था से शुक्राणु पैदा करते हैं और बुढ़ापे तक बच्चे पैदा कर सकते हैं। हालाँकि, लगभग 40 वर्ष की आयु से शुक्राणु की गुणवत्ता में उल्लेखनीय गिरावट देखी जाती है। अधिक उम्र के पुरुषों की महिला साझेदारों को युवा साझेदारों की तुलना में गर्भधारण करने में अधिक समय लगता है।

गर्भधारण के समय पर पुरुष की उम्र के प्रभाव के एक अध्ययन से पता चला है कि 45 या उससे अधिक उम्र के पुरुष साथी वाली महिलाओं को 25 या उससे कम उम्र के साथी वाली महिलाओं की तुलना में गर्भधारण करने में एक वर्ष से अधिक समय लगने की संभावना लगभग पांच गुना अधिक थी। 25 वर्ष से कम आयु के तीन चौथाई से अधिक (76.8%) पुरुषों की महिला साथियों ने छह महीने के भीतर गर्भधारण कर लिया, जबकि 45 वर्ष से अधिक आयु के आधे से अधिक (52.9%) पुरुष ही महिलाओं को गर्भवती कर सके। दस अध्ययनों से एकत्रित आंकड़ों से पता चला है कि वृद्ध पुरुषों के साझेदारों को भी गर्भपात का अनुभव होने की अधिक संभावना है। उन जोड़ों की तुलना में जहां पुरुष की आयु 25 से 29 वर्ष थी, 45 वर्ष से अधिक उम्र के पिताओं में गर्भपात का खतरा 43% बढ़ जाता है। आईवीएफ जैसी सहायक प्रजनन तकनीक के परिणाम भी पुरुष साथी की उम्र से प्रभावित होते हैं।

सहायक प्रजनन तकनीकों का उपयोग करने वाले जोड़ों में अध्ययन की समीक्षा में पाया गया कि 40 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों वाले जोड़ों की तुलना में 40 वर्ष से कम उम्र के माता-पिता में गर्भपात का खतरा लगभग 25% कम हो जाता है।

18 अक्टूबर को रिलीज होगी प्रियंका चोपड़ा की मराठी फिल्म 'पाणी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की निर्मित फिल्म पाणी, 18 अक्टूबर को रिलीज होगी। प्रियंका चोपड़ा अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तले कई फिल्मों का निर्माण कर चुकी हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपने बैनर तले मराठी फिल्म का निर्माण किया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर पाणी का मोशन टीजर रिलीज करते हुए इसकी रिलीज डेट रिवील की है, जिसके मुताबिक पाणी 18 अक्टूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन में लिखा,यह बहुत बहुत खास है। हमारी मराठी फीचर फिल्म 'पाणी' 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है,सिनेमाघरों में मिलते हैं।

राजश्री एंटरटेनमेंट और पर्पल पेबल पिक्चर्स, कोठारे विजन प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से फिल्म पाणी प्रस्तुत की गयी है।निर्देशक आदिनाथ कोठारे के निर्देशन में बन रही फिल्म पाणी हनुमंत केंद्रे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। किस तरह से वह अपने गांव में पानी की समस्याओं का निवारण करते हैं।

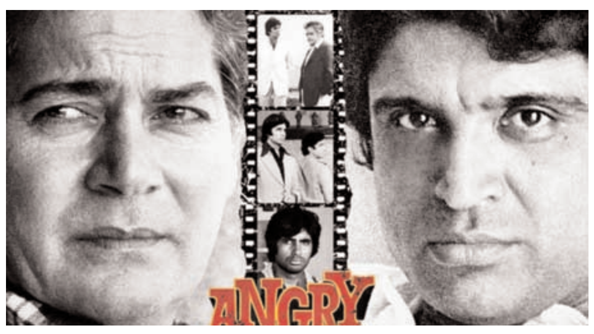

डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मैन' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के सबसे मशहूर स्क्रिप्ट राइटर्स सलीम खान और जावेद अख्तर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मैन' अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गयी है। एंग्री यंग मैन' को सलमान खान फिल्म्स, एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी ने मिलकर प्रोड्यूस किया गया है।

इसके एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर्स में सलमा खान, सलमान खान, रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वहीं इस सीरीज का नम्रता राव ने निर्देशित किया है।तीन एपिसोड की यह सीरीज 20 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गयी है। 'एंग्री यंग मैन' में सलमान खान, अरबाज खान, फरहान अख्तर ,जोया अख्तर, हनी इरानी, शबानी आजमी, सलीम-जावेद के बारे में बात करते हैं।इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन, धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी, शत्रुघ्न सिन्हा,श्याम बेनेगल, महेश भट्ट,आमिर खान, ऋतिक रौशन, रणवीर सिंह, करण जौहर, करीना कपूर,अभिषेक बच्चन, श्वेता बच्चन, रीमा कागती समेत कई सितारे सलीम-जावेद के काम के बारे में काफी उत्साहित होकर बात करते हैं। एंग्री यंग मेन' में सलीम-जावेद की फिल्म 'जंजीर' और वर्ष 1975 की दो ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' और 'दीवार' के बारे में विशेष तौर पर बात की गयी है।

'कहां शुरू कहां खतम' का मोशन पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स ने अपनी आगामी युवा फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'कहां शुरू कहां खतम' का मोशन पोस्टर आज रिलीज कर दिया है। कहां शुरू कहां खतम के जरिए पॉप स्टार ध्वनि भानुशाली म्यूजिक से सिल्वर स्क्रीन की ओर रुख कर रहीं हैं। अपने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग चार्टबस्टर्स से लोगों का दिल जीतने के बाद, ध्वनि अब फिल्म डेब्यू कर दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लक्ष्मण उतेकर और ऋषि विरमानी द्वारा लिखित, यह फिल्म ह्यूमर, हार्ट और अप्रत्याशितता के मोड़ का एक आकर्षक मिश्रण होगा। मस्ती से भरा यह मोशन पोस्टर फिल्म के लीडिंग जोड़ी को दर्शकों से इंट्रोड्यूस करता है जिसमें ध्वनि भानुशाली दुल्हन के अवतार में और उनके साथ आशिम गुलाटी नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा भी शामिल हैं। लक्ष्मण उतेकर की फिल्म कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी अहम भूमिका में नज़र आयेंगे। सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस यंग म्यूजिकल फैमिली एंटरटेनर फिल्म को विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

फ़िल्म 'शादी के बाद' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता कुनाल तिवारी की भोजपुरी फ़िल्म शादी के बाद का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। कुनाल तिवारी ने बताया की शादी के बाद एक लड़की के जीवन मे कई नए रिश्तों का आगमन होता है तो वहीं लड़के के जीवन मे उसकी जीवनसंगिनी के रूप सम्पूर्ण जीवन हंसते मुस्कुराते बिताने के लिए एक साथी मिल जाती है । इसी प्रकार के तमाम किस्सों कहानियों और रिश्तों की बुनियाद पर टिकी भोजपुरी फ़िल्म शादी के बाद का आज फर्स्ट लुक आउट कर दिया गया है।

मेरे साथ इस फिल्म मे काजल यादव अभिनय करते नजर आएंगे।भोजपुरी फ़िल्म जगत के कुछ बेहतरीन हँसमुख किरदारों से सजी इस फ़िल्म में पारिवारिक मूल्यों और परंपराओं को बेहद खूबसूरती से पर्दे पर उकेरा गया है । फ़िल्म शादी के बाद काफी बेहतरीन परिवेश में बनाई गई है और इस फ़िल्म के हर सीन को शूट करते हुए हर एक चीजों का भरपूर ख्याल रखा गया था जिसकी वजह से इस फ़िल्म की खूबसूरती और बढ़ गई है ।

मधु मंजुल आर्टर्स प्रस्तुत एवं गीता तिवारी प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फ़िल्म शादी के बाद के निर्माता धीरेंद्र कुमार झा एवं गीता तिवारी प्रोडक्शन हैं । इस फ़िल्म का निर्देशन धीरेंद्र कुमार झा ने किया है। इस फ़िल्म का कथा, पटकथा एवं सम्वाद ओम प्रकाश यादव ने लिखा हैं, जिसका संगीत मुन्ना दुबे ने बनाया है। इस फ़िल्म के कार्यकारी निर्मातामहेश उपाध्याय हैं,नृत्य निर्देशन सुदामा मिंज ने किया है।

श्रद्धा कपूर ने बताया क्यों नहीं किया सलमान, शाहरुख और आमिर के साथ काम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर अपनी हॉरर-कॉमेडी पेशकश 'स्त्री 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। उन्होंने अभी तक हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार्स सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ क्यों काम नहीं किया, इस बारे में बताया है। शुभंकर मिश्रा के साथ एक पॉडकास्ट के दौरान 'आशिकी 2' एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें अभी तक बॉलीवुड के 3 खानों के साथ काम करने का मौका नहीं मिला है। उन्होंने कहा, कई बार आपको एक फिल्म ऑफर की जाती है, लेकिन अगर आपको लगता है कि किरदार उतना रोमांचक नहीं है या वह किरदार आपके अंदर के कलाकार को चुनौती नहीं देता है तो आप उस किरदार को छोड़ देते हैं। मैं काम के बारे में बहुत स्पष्ट हूं जिसे मैं चुनती हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं अच्छी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, अच्छी कहानियों वाली दिलचस्प फिल्में बनाना चाहती हूं, अच्छे निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूं और अच्छा काम करना चाहती हूं। अगर इन सबका मतलब अच्छे अभिनेताओं या बड़े सितारों के साथ काम करने का अवसर है, तो मुझे इसके लिए हां कहने में खुशी होगी।'' इस बीच, लगभग 16 महीने बाद बॉक्स-ऑफिस पर वापसी करने वाली श्रद्धा ने 'स्त्री 2' के साथ अपनी लगातार दूसरी 200 करोड़ रुपये की फिल्म दी है। पहली फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' है जिसमें उन्होंने सुपरस्टार रणबीर कपूर के साथ अभिनय किया था। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, 'स्त्री 2' ने भारतीय बॉक्स-ऑफिस पर 255 करोड़ रुपये की कमाई की है, साथ ही विदेशी कलेक्शन में 55 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है, जिससे दुनिया भर में इसका कलेक्शन 361.15 करोड़ रुपये हो गया है। स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज हुई 'स्त्री 2', मल्टी-स्टारर 'खेल खेल में', जॉन अब्राहम-स्टारर 'वेदा' और तेलुगु फिल्म 'डबल आईस्मार्ट' से भिड़ी और इन सभी को पीछे छोड़ने में कामयाब रही। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव-स्टारर फिल्म में शाम और रात के शो के दौरान सबसे ज्यादा ऑक्यूपेंसी देखी जा रही है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

थोड़ी-सी भिन्नता के कारण व्यक्ति के मन में विचार बदलते हैं। अलग-अलग ज्ञान, दर्शन देखते हैं तो मन ऊपर-नीचे हो जाता है। व्यक्ति सत्य से विमुख हो जाता है। सत्य यानी जो शाश्वत, स्थायी हो, हमेशा आपके साथ चलता रहे। ऐसे सत्य का दर्शन कराने वाले, उसे जोड़कर रखने वाले परमात्मा का दर्शन है। वहां भी हमारा मिथ्यात्व शुरू हो जाता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का उपशम भी होता है। उपशम यानी हमारे कर्मों को दबा देना। जैसे पानी में फिटकरी डालने से उसमें रही हुई गंदगी नीचे जमा हो जाती है और पानी शुद्ध हो जाता है।

गर्भस्थ शिशु के भीतरी भाव माता की बाहरी गतिविधियों पर निर्भर करता है : युवाचार्य महेंद्रऋषि

आनंदराज खारीवाल ने युवाचार्यश्री से 36 उपवास के लिए प्रत्याख्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बुधवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी महाराज ने प्रवचन सभा में श्रध्दालुओं को धर्मउपदेश प्रदान करते हुए कहा कि 'बांधे वो धर्म नहीं,मुक्त करे वो धर्म है। अगर गर्भस्थ शिशु आयुष्य पूर्ण करे तो वह नरक में भी जा सकता है और स्वर्ग में भी। गर्भस्थ शिशु शारीरिक रूप से अविकसित होता है। वह कमजोर और पराधीन होता है। इस बात को सब अच्छी तरह से जानते हैं। भगवान कहते हैं शरीर से यह आपकी परीक्षण पद्धति है। हमारे आगम कहते हैं जब जीव गर्भ में जाता है, वह आहार ग्रहण कर लेता है्। ऐसा मन, जो अनेक प्रकार के विकल्पों के लिए तैयार है, जो संज्ञी नाम कर्म से उदय है, उसे आगे की बातों का अहसास है। कार्य, कारण, भाव जिसको पकड़ में आ जाते हैं, वह संज्ञी पंचेंद्रिय है।

उन्होंने कहा कि शरीर माता–पिता के अंश से मिलता है। लेकिन भीतर के भाव माता की बाहरी गतिविधियों, भावों पर निर्भर करता है। उस पर भावों का प्रभाव माता के विचारों का होता है। कहते हैं जब माता के गर्भ में अष्टावक्र ऋषि, जो अध्यात्म के उद्गमकर्ता थे, उनके पिता गाथाओं का पाठ करते थे, उसको सुनते थे। एक दिन गलती हो गई तो गर्भ से ही उन्होंने पकड़ लिया। कहने का मतलब है गर्भस्थ शिशु अपने आसपास के वातावरण का अवलोकन करता है इसलिए माता धार्मिक वचनों को सुने, समझें्। इससे गर्भस्थ शिशु को अहोभाव आ जाता है और धर्म के प्रति तीव्र अनुराग आ जाता है। उन्होंने कहा, धर्म वह है, जो स्वभाव से जोड़ने वाला है। धर्म वह जो मुक्त करे, बांधे नहीं्। वीतराग धर्म के वचन सुनने से संवेग आ जाए तो देवगति के योग्य शुभ उपार्जन करता है। मां का आहार शरीर को स्वस्थ रखने वाला है, हर तरह से आगे बढ़ाने वाला है्। हम अपने भावों को शुभ बनाए।

इस दौरान सुश्रावक आनंदराज खारीवाल ने 36 उपवास की पच्चखाण लिए। उनके तप की अनुमोदना करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि तपस्या वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा देने में सहायक होता है। तप में आत्मा के कर्मों को धोने का सामर्थ्य है। तप संपूर्ण वातावरण को सुगंध की सुहास से भर देता है। वरिष्ठ श्राविका विमलाबाई सिंघवी के 20 उपवास समेत कई तपस्यार्थियों ने कहा प्रत्याख्यान ग्रहण किए्।

विभिन्न क्षेत्रों से गुरुभक्त युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ पहुंचे। प्रातः तृतीय दिवसीय आत्मध्यान साधना शिविर प्रांरभ हुआ उसमे श्रावक श्राविकाएं भाग लेकर ध्यान साधना कर रहे है। धर्मसभा का संचालन राकेश विनायकिया ने किया।

दादी परिवार के राणीसती दादी के मंगल पाठ में उमड़ी महिलाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूपुर। स्थानीय दादी परिवार द्वारा मासिक कीर्तन के तहत राणी सती दादी का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम में आयोजित हुआ। महाआरती एवं दादी के मंगल पाठ में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया तथा सभी ने भजनों का आनंद उठाया। दादी परिवार की अध्यक्ष शीलाशाह, सरोज पित्ती, प्रभा तोदी, सरिता तुलस्यान, मंजु जैन, बीरा कामदार, चंदा डीडवानिया, सुमन गुप्ता, छाया परमानन्दका आदि अन्य सदस्याएं उपस्थित रही।

अध्यक्ष शीला शाह ने सभी को धन्यवाद दिया।

एजी जैन स्पोर्ट्स क्लुब बना साउथ इंडिया वॉलीबाल फेडरेशन कप विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय साउथ इंडिया वॉलीबाल फेडरेशन के तत्वावधान में जगदम्बा स्पोर्ट्स क्लब, मदुरै द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में ज़ेबरोनिक्स द्वारा प्रायोजित एजी जैन वॉलीबाल स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई , तमिलनाडु और कर्नाटक राज्य से लगभग 25 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कुल छः लीग मैच हुए और एजी जैन क्लब ने सभी लीग मैच में विजय हासिल किया। प्रतियोगिता का क्वार्टर फाइनल एजी जैन टीम का मुकाबला मदुरै वीरतेजा टीम के बीच में हुआ जिसमें एजी जैन ने विजय हासिल की। सेमी फाइनल में एजी जैन क्लब का मुकाबला राजस्थान स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई के दिग्गज खिलाड़ियों के साथ हुआ जिसमें भी एजी जैन टीम ने जीत हासिल की। फाइनल में एजी जैन टीम की भिड़ंत गत छह बार की चैंपियन रही आरएससी बेंगलूरु की टीम से हुई। एजी जैन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंगलूरु की टीम हराकर जीत हासिल कर अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किया। एजी जैन स्पोर्ट्स क्लब के अनुज पींचा के अभूतपूर्व कौशल का प्रदर्शन करते हुए पूरी श्रृंखला में मैन ऑफ दि सिरीज़ के ख़िताब पर अपना कब्ज़ा जमाया।

बेस्ट सेंटर अवार्ड का पुरुस्कार प्रतीक पींचा को दिया गया। दलजीत सिंह ढढा के कार्य समन्वय की सभी ने सराहना की। मैन ऑफ़ दि मैच का पुरस्कार जीतू माली को मिला। टीम के अन्य खिलाड़ी, सुरेंदर, नवीन, प्रतीक, अनुज, जीवाराम, जबरा राम ने अच्छा प्रदर्शन किया।

मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के महावीर जैन ग्रुप ने हाल ही में शकुंतला देवी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मरीजों के सहयोगार्थ नवजात शिशुओं को गादी सेट, खिलौने और नए कपड़े वितरित किए। संस्था की डॉ. निरूमला वशंत छल्लाणी, वीना जैन और खुशी बैद की अगुवाई में यह समाज सेवा का कार्य किया गया।

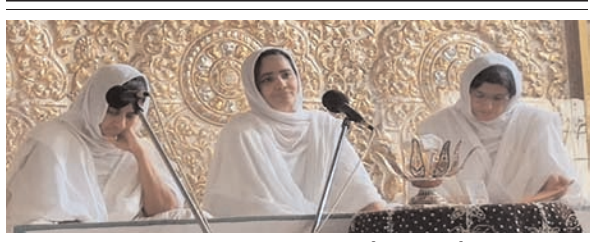

बिना सहन किए कर्म निर्जरा नहीं हो सकती : साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्री

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि इस जीव के अनादिकाल से संस्कार बहुत गाढ बने हुए हैं। जो मनुष्य मन का साध लेता है वही साधक बन जाता है। लेकिन मन को साधना ही सबसे दुष्कर कार्य है। बिना सहन किए कर्म निर्जरा नहीं हो सकती। किसी भी परिस्थिति में हमें हमारी मन:स्थिति को नहीं बिगाड़ना है, मन:स्थिति नहीं बिगड़ेगी तो ही हमें परम पद प्राप्त होगा। विपत्ति में भी हमें हमारी मन:स्थिति को समभाव में रखना है। हर जीव के कर्म अलग अलग समय में अलग अलग होते हैं और उन्हीं कर्मों की बदौलत व्यक्ति भोग भोगता है। सुख और दुख में भी हमें एक जैसे भाव रखना है। हमें जीवन में कुछ ना कुछ व्रत धारण करना चाहिए क्योंकि जो व्रतधारी होते हैं उनकी कभी दुर्गति नहीं हो सकती। संसार की प्रवृत्तियों के लिए कभी भी धर्म को गौण नहीं करना चाहिए्। धर्म में टिके रहने से आई हुई विपत्ति भी सम्पत्ति में बदल जाती है।

व्रतधारी श्रावकों को देवता भी नमन करते हैं : साध्वीश्री राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहूकारपेट स्थित जैन भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी राजमतीजी ने कहा कि केवल मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी हैं, जो कि स्वयं अपने पापों को क्षय कर सकता है, दूसरों को प्रेरित कर सकता है, इसलिए देवता भी उसे नमन करते हैं।

उन्होंने कहा कि जैसे शिल्पी किसी पत्थर को मनचाहा आकार दे सकता हैं, उसी तरह गुरु अपने शिष्यों को गुणवान बना सकता हैं। केवल मनुष्य ही अपने कर्मों की निर्जरा कर सकता है, क्योंकि उनमें सोचने समझने की शक्ति होती हैं।

इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने कहा कि मनुष्य जैसा करेगा, वैसे ही उसका परिणाम प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि चाहे राजा हो, तीर्थंकर हो, चक्रवर्ती हो या और कोई भी शक्तिशाली व्यक्ति, वो अपने कर्मों के फल से नहीं बच सकता है। साध्वीश्री ने कहा कि जब तीर्थंकरों को भी अपने कर्मों को भोगना पड़ता है तो एक साधारण मनुष्य की क्या बिसात है कि वो कर्मो के फल से बच सके। उन्होंने कहा कि व्यक्ति भले ही अपने गांव को छोड़कर अन्य किसी भी स्थान पर पहुंच जाये, कर्म उसका पीछा नहीं छोडते है। साध्वीजी ने वर्तमान पीढ़ी के लोगों की अशोभनीय वेशभूषा पर भी चिंता जताते हुए कहा कि उनको शालीन वेशभूषा को अपनाना चाहिए ताकि समाज में विकृत मानसिकता को रोका जा सके। धर्मसभा का संचालन करते हुए महासचिव संजय पींचाा ने चिरंजीवी आदित्य कवाड की 8 दिनों की तपस्या की अनुमोदना कर स्वागत किया।

द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय में रही 'कान्हा' की धूम

नृत्य नाटिका देख कर भक्तिमय हुआ समूचा ऑडिटोरियम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अरुमबाकम् स्थित द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय में वल्लभ कल्चरल अकादमी के तत्वावधान में कॉलेज प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया गया। महाविद्यालय में स्थित कृष्ण मंदिर में विधिवत पूजा की गई और महाविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

लइसके बाद वल्लभ कल्चरल अकादमी की वैष्णव कॉलेज की संयोजिका मंदिरा दत्ता के निर्देशन में कॉलेज के सभागार में छात्र – छात्राओं द्वारा 'कान्हा' थीम के अंतर्गत नृत्य, भजन एवं कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का मंचन किया गया। कृष्ण के जीवन की चार प्रमुख स्त्रियों रुक्मणी, राधा, सुभद्रा और मीराबाई पर नृत्य नाटिका के रूप में प्रस्तुत की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस संतोष बाबू ने सभी प्रतिभागियों की कला की सराहना की और कहा कि जीवन में जब सभी रास्ते बंद हो जाते हैं तब सिर्फ एक रास्ता मिलता है और वह है ईश्वर का रास्ता। महाविद्यालय के सचिव अशोककुमार मूँदड़ा ने भी गोकुल अष्टमी की सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा की पूरे संसार में सिर्फ कृष्ण ही एकमात्र ऐसे देवता हैं जिन्हें अनेक धर्म और जाति के लोग समान रूप से मानते हैं। कृष्ण के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। जीवन में सुख में जीना आसान होता है परंतु दुख को हराकर सुख प्राप्त करना ही सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने भगवानश्री कृष्ण से विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.